RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

# यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 27 सोमवार 6 से 12 अक्टूबर, 2025 पृष्ठः 10 मूल्य : ₹3/=

आईटीएमएस के जरिए शहर में ट्रैफिक व्यवस्था होगी व्यवस्थित ...2

# ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ भागवत बोले- स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर बनें

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में अपने विजयदशमी भाषण के दौरान अमेरिका द्वारा लागू की गई टैरिफ नीति की आलोचना की। आरएसएस प्रमुख ने स्वदेशी पर अधिक भरोसा करने का आान भी किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा लागू की गई नई टैरिफ नीति उनके अपने हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। लेकिन इससे सभी प्रभावित होते हैं... दुनिया एक-दूसरे पर निर्भर होकर चलती है; किन्हीं भी दो देशों के बीच संबंध इसी तरह कायम रहते हैं। कोई भी देश अलग-थलग नहीं रह सकता। यह निर्भरता मजबूरी में नहीं बदलनी चाहिए... हमें स्वदेशी पर भरोसा करने और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है... फिर भी अपने सभी मित्र देशों के साथ राजनयिक संबंध बनाए रखने का प्रयास करें, जो हमारी इच्छा से और बिना किसी मजबूरी के होंगे। मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया वैश्विक चिंताओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रही है। ब्रह्मांड चाहता है कि भारत उदाहरण पेश करे और दुनिया को रास्ता दिखाए। मोहन भागवत ने भारत की अनूठी विविधता पर भी प्रकाश डाला और कहा कि विविधता को भिन्नता में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब भी कुछ विदेशी विचारधाराएँ भारत आईं, हमने उन्हें अपना माना। हम दुनिया की विविधता को स्वीकार करते हैं... हमारे देश में, इस विविधता को भिन्नता में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं... सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे शब्दों से किसी भी आस्था या विश्वास का अपमान या अपमान न हो। भागवत ने कहा कि जब समाज में विविध मान्यताओं वाले कई लोग एक साथ रहते हैं, तो समय-समय पर कुछ शोर और अराजकता हो सकती है।

इसके बावजूद, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नियम-कानूनों के साथ-साथ सद्भाव का उल्लंघन न हो। कानून को अपने हाथ में लेना, सड़कों पर उतरना और हिंसा और गुंडागर्दी का सहारा लेना सही नहीं है। किसी विशेष समुदाय को भड़काने की कोशिश करना और शक्ति प्रदर्शन करना, ये सब पूर्व नियोजित षड्यंत्र हैं। आरएसएस प्रमुख ने महात्मा गांधी को भी उनकी जयंती पर याद किया। अपने वार्षिक विजयादशमी भाषण में भागवत ने कहा, आज महात्मा गांधी की जयंती है। वे न केवल हमारी स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों में अग्रणी थे, बल्कि उन लोगों में भी उनका विशेष स्थान है जिन्होंने भारत के स्वत्व पर आधारित स्वतंत्रता के बाद के भारत की कल्पना की थी। भागवत ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनकी भक्ति, समर्पण और सेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आज पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की भी जयंती है, जो सादगी, विनम्रता, सत्यनिष्ठा और दृढ़ संकल्प के प्रतीक थे और जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। भागवत ने आगे कहा, वे हमारे लिए राष्ट्र के प्रति समर्पण, समर्पण और सेवा के अनुकरणीय प्रतीक हैं। वे हमें सिखाते हैं कि कैसे एक व्यक्ति सच्चे अर्थों में मानव बन सकता है और उसके अनुसार जीवन जी सकता है।

## अशांति फैलाने वाली शक्तियां सक्रिय, देशहित में लोकतांत्रिक मार्ग चुनें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को पड़ोसी देशों में बढ़ती उथल-पुथल पर चिंता व्यक्त की और जनाक्रोश के कारण श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हुए सत्ता परिवर्तनों का हवाला दिया। अपने विजयादशमी भाषण में, भागवत ने चेतावनी दी कि भारत में भी, देश के भीतर और बाहर, ऐसी ही ताकतें सक्रिय हैं और उन्होंने परिवर्तन लाने के लिए लोकतांत्रिक तरीकों की आवश्यकता पर बल दिया। भागवत ने कहा कि हाल के वर्षों में, हमारे पड़ोसी देशों में काफी उथल-पुथल रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जनाक्रोश के हिंसक विस्फोट के कारण सत्ता परिवर्तन हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में ऐसी अशांति पैदा करने की चाह रखने वाली ताकतें हमारे देश के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि असंतोष के स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच का विच्छेद और योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव हैं। हालाँकि, हिंसक विस्फोटों में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज ऐसा परिवर्तन केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही प्राप्त कर सकता है। अन्यथा, ऐसी हिंसक परिस्थितियों में, इस बात की संभावना बनी रहती है कि विश्व की प्रमुख शक्तियाँ अपने खेल खेलने के अवसर ढूँढ़ने लगें। ये पड़ोसी देश भारत के साथ सांस्कृतिक और नागरिकों के बीच दीर्घकालिक संबंधों के आधार पर जुड़े हुए हैं। एक तरह से, वे हमारे अपने परिवार का हिस्सा हैं। इन देशों में शांति, स्थिरता, समृद्धि और सुख-सुविधा सुनिश्चित करना, इन देशों के साथ हमारे स्वाभाविक आत्मीयता से उत्पन्न आवश्यकता है, जो हमारे हितों की रक्षा के विचार से परे है। भागवत ने नक्सलवादी आंदोलन को नियंत्रण में लाने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों में न्याय, विकास और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना की आवश्यकता पर बल दिया। भागवत ने आगे कहा कि सरकार के दृढ़ कदमों और लोगों में नक्सलवादी विचारधारा के खोखलेपन और क्रूरता के प्रति जागरूकता के कारण चरमपंथी नक्सलवादी आंदोलन पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। इन क्षेत्रों में नक्सलियों की लोकप्रियता का मूल शोषण और अन्याय, विकास का अभाव और प्रशासन में इन मामलों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव है। अब जब ये बाधाएँ दूर हो गई हैं, तो इन क्षेत्रों में न्याय, विकास, सद्भावना, सहानुभूति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना की आवश्यकता है। भागवत ने वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी उन्नति और वैश्विक अंतसंबंधों से उत्पन्न चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने मानवता के लिए नई समस्याएँ पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों के प्रति मानवीय अनुकूलन की गति धीमी है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय क्षति, सामाजिक और पारिवारिक बंधनों का कमजोर होना और बढ़ती शत्रुता जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में, वैज्ञानिक प्रगति, मानव जीवन के अनेक पहलुओं को अधिक सुविधाजनक बनाने की तकनीक की क्षमता, और संचार एवं वैश्विक व्यापार के कारण देशों के बीच बढ़ती अंतसंबंधता एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है। हालाँकि, वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की गति और मनुष्य द्वारा इनके अनुकूल होने की गति में काफी अंतर है। इसके कारण, आम लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसी प्रकार, हम अन्य समस्याओं को भी देख रहे हैं, जैसे दुनिया भर में चल रहे युद्ध और संघर्ष (बड़े और छोटे दोनों), पर्यावरणीय क्षति के कारण प्रकृति का प्रकोप, सामाजिक और पारिवारिक बंधनों का कमजोर होना, और रोजमर्रा के जीवन में दूसरों के प्रति बढ़ता दुर्व्यवहार और शत्रुता। भागवत ने कहा कि इन सभी समस्याओं के समाधान के प्रयास किए गए हैं, लेकिन वे इनकी प्रगति को रोकने या इनका कोई व्यापक समाधान प्रदान करने में विफल रहे हैं। सभी देशों को विकृत और शत्रुतापूर्ण शक्तियों से खतरा है, जो मानती हैं कि इन समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृति, आस्था, परंपरा आदि जैसे सभी बंधनों का पूर्ण विनाश आवश्यक है। ये शक्तियाँ मानवता को प्रभावित करने वाली सामाजिक बुराइयों, संघर्षों और हिंसा को और बढ़ाएँगी। भारत में भी, हम इन सभी परिस्थितियों का विभिन्न रूपों में अनुभव कर रहे हैं। विश्व उत्सुकता से भारतीय दर्शन पर आधारित समाधानों की प्रतीक्षा कर रहा है।

## आरएसएस के स्वयंसेवकों ने समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में जीवन समर्पित किया: मोदी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर संघ की प्रशंसा की और कहा कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में असंख्य स्वयंसेवकों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। श्री मोदी ने आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने पर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, आज से 100 साल पहले विजयादशमी के दिन ही समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी।

लंबे कालखंड के दौरान असंख्य स्वयंसेवकों ने इस संकल्प को साकार करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसे लेकर मैंने अपने विचारों को शब्दों में ढालने का प्रयास किया है। इसके साथ ही उन्होंने सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत द्वारा विजयादशमी के मौके पर नागपुर में आयोजित समारोह में दिये संबोधन की भी सराहना की।

उन्होंने डॉ. भागवत के संबोधन का उल्लेख करते हुए राष्ट्र निर्माण में संघ की महत्वपूर्ण भूमिका और भारत के सभ्यतागत मूल्यों के पोषण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर आरएसएस के पोस्ट का उत्तर देते हुए लिखा, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के समृद्ध योगदान और गौरव की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की हमारी भूमि में अंतर्निहित क्षमता, जो हमारी संपूर्ण मानवता के लिए लाभकारी है, पर बल देते हुए प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र निर्माण में संघ के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला है। उन्होंने भारतवर्ष के उस सामर्थ्य को भी रेखांकित किया है, जो देश को सशक्त बनाने के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के लिए भी कल्याणकारी है।

## सभी विभाग मिलकर साझा कार्ययोजना बनाएं और समयबद्ध ढंग से क्रियान्वयन करें : योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अलग-अलग विभागों द्वारा अलग-अलग कार्य करने से योजनाओं में अनावश्यक देरी होती है, इसलिए सभी विभागों को मिलकर साझा कार्ययोजना बनानी चाहिए तथा उसका समयबद्ध ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक में शहरों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्य नियोजित और समन्वित तरीके से किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बिना मानक और नगर निकायों की अनुमति के विकसित की जा रहीं कॉलोनियों और बस्तियों पर प्रारंभिक स्तर पर ही रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए। योगी ने नगर विकास से जुड़ी सभी योजनाओं की नियमित निगरानी पर बल देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मलिन बस्तियों के विकास पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सड़क संपर्क, कूड़ा संग्रहण और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जल निकासी व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रत्येक शहर में ऐसी नालियों की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे भारी वर्षा के बाद जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।

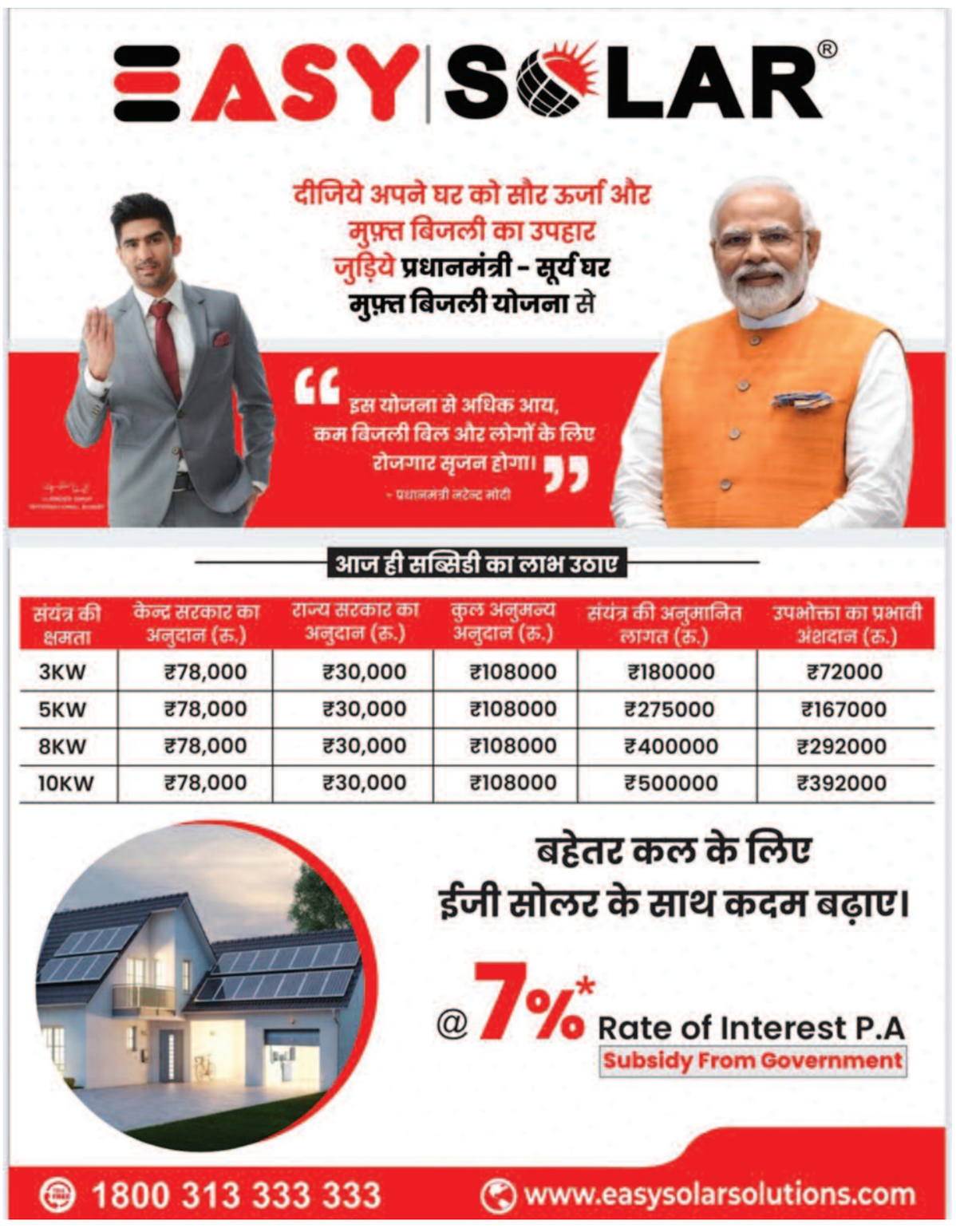


## राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को दो टूक

## 'दुस्साहस किया तो बदल जाएगा इतिहास-भूगोल'

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चेतावनी दी कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का ऐसा निर्णायक जवाब दिया जाएगा जिससे इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएँगे। सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर कच्छ के लक्की नाला सैन्य छावनी में आयोजित बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास में भाग लिया और शस्त्र पूजन समारोह में भाग लिया।

उन्होंने कहा कि भारत ने बार-बार बातचीत के जरिए सीमा विवाद को सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान के अस्पष्ट इरादे और क्षेत्र के पास हालिया सैन्य जमावड़ा चिंताजनक है। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना और बीएसएफ सतर्कतापूर्वक सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।

एक सैन्य शिविर में जवानों को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा, आजादी के 78 साल बाद भी, सर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को हवा दी जा रही है। भारत ने इसे बातचीत के जरिए सुलझाने के कई प्रयास किए हैं,

- आजादी के 78 साल बाद भी, सर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को हवा दी जा रही : रक्षा मंत्री

लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है; उसके इरादे साफ नहीं हैं। जिस तरह से पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में सर क्रीक से सटे इलाकों में अपने सैन्य ढाँचे का विस्तार किया है, उससे उसकी नीयत का पता चलता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और बीएसएफ संयुक्त रूप से और सतर्कता से भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। अगर सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कोई दुस्साहस करने की कोशिश की गई, तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएँगे। 1965 के युद्ध में, भारतीय सेना ने लाहौर तक पहुँचने की क्षमता का प्रदर्शन किया था। आज 2025 में, पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची जाने का एक रास्ता इसी खाड़ी से होकर गुजरता है।

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता को चुनौती देने के पाकिस्तान के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया, और खतरों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस अभियान ने सभी सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए, लेकिन इसका लक्ष्य आतंकवाद था और भारत ऐसे खतरों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए है।

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों ने यह प्रदर्शित किया कि भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाली ताकतें, चाहे वे कहीं भी छिपी हों, हमारे पास उन्हें ढूंढ़ने और उनका सफाया करने की शक्ति है। दुनिया की कोई भी ताकत, अगर वह हमारी संप्रभुता को चुनौती देती है, तो भारत को चुप नहीं बैठेगी। आज का भारत कहता है कि चाहे आतंकवाद हो या कोई अन्य समस्या, हमारे पास उससे निपटने और उसे हराने की क्षमता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस क्षेत्र तक भारत की रक्षा प्रणाली में सेंध लगाने का असफल प्रयास किया।

# आईटीएमएस के जरिए शहर में ट्रैफिक व्यवस्था होगी व्यवस्थित

## ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए चेतावनी, आईटीएमएस से पैनी निगरानी शुरू

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत नगर निगम द्वारा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) की स्थापना का कार्य तेजी से चल रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने हाल ही में इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और टीम को निर्देश दिए कि आईटीएमएस कंट्रोल रूम को जल्द से जल्द पूर्ण रूप से तैयार किया जाए, ताकि परियोजना का शुभारंभ समयबद्ध तरीके से किया जा सके। शनिवार को मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शहर के 41 प्रमुख सिग्नलों पर फाउंडेशन कार्य, डिवाइस और कैमरा इंस्टॉलेशन का कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। इसके साथ ही पोल, विद्युत लाइट और अन्य आवश्यक उपकरण भी सभी सिग्नल स्थलों पर स्थापित किए जा चुके हैं। कुछ स्थानों पर ट्रायल के रूप में डेमो भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुका है।

नगर आयुक्त ने कहा कि इस परियोजना में कुल 54 करोड़ रुपये की लागत आई है और इसके अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में शुभारंभ की योजना बनाई गई है। कंट्रोल रूम की तैयारियों में तेजी लाई जा रही है। इसके बाद शहर में यातायात व्यवस्था और अधिक सुसंगठित और प्रभावी होगी। आईटीएमएस के माध्यम से न केवल ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर पैनी नजर रखी जाएगी, बल्कि आम नागरिकों को भी सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात का लाभ मिलेगा।

नगर निगम मुख्यालय में आईटीएमएस बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अब वहां स्क्रीन लगाई जाएंगी और विद्युत विभाग के सहयोग से लाइट और अन्य तकनीकी उपकरणों की अंतिम स्थापना की जा रही है। नगर आयुक्त ने परियोजना प्रबंधक राजीव भारद्वाज को 10 दिन के भीतर कंट्रोल रूम समेत 41 सिग्नल स्थलों को पूरी तरह से कार्यात्मक बनाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को मॉनिटरिंग बढ़ाने और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य तेजी से करने का निर्देश भी दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि आईटीएमएस के आने से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह स्मार्ट और आधुनिक बन जाएगी। शहरवासियों को यातायात में सुगमता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इसके माध्यम से सड़कों पर नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की पहचान और नियंत्रण करना संभव होगा।

नागरिकों को लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सिग्नल और कंट्रोल रूम पूरी तरह कार्यात्मक होने के बाद ही प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया जाएगा। इससे नगर निगम की यातायात प्रबंधन क्षमता में सुधार होगा और गाजियाबाद को स्मार्ट शहर के मानक के अनुरूप तैयार किया जा सकेगा। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि परियोजना के सभी चरणों में गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। आईटीएमएस के माध्यम से शहरवासियों को आधुनिक तकनीक के साथ एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था का लाभ मिलेगा। यह योजना न केवल तकनीकी दृष्टि से आधुनिक है, बल्कि शहरवासियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इस परियोजना के शुभारंभ के बाद गाजियाबाद के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक नियंत्रण में सुधार आएगा, नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई होगी और सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाएं कम होंगी। आईटीएमएस शहर के स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन का प्रतीक बनकर उभरेगा और नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) हमारी शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। हमने 41 सिग्नलों पर कैमरा इंस्टॉलेशन और सभी तकनीकी उपकरणों की स्थापना लगभग पूर्ण कर ली है। कंट्रोल रूम की तैयारियां भी तेजी से चल रही हैं। अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में इस परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा।

इस प्रणाली के माध्यम से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर पैनी नजर रखी जाएगी और शहरवासियों को व्यवस्थित और सुरक्षित यातायात का लाभ मिलेगा। हमारा उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को आधुनिक, स्मार्ट और नागरिक-मित्रवत बनाना है। सभी संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि आईटीएमएस के माध्यम से गाजियाबाद का ट्रैफिक नियंत्रण बेहतर, तेज और अधिक प्रभावी बन सके।

**विक्रमादित्य सिंह मलिक**
**नगर आयुक्त**

### नगर निकायों में संचालित योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक

## जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर कार्य योजनाएं तैयार करें: रविन्द्र कुमार मांदड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ समीक्षा बैठक में सभी निकायों से वित्तीय वर्ष के सापेक्ष चल रहे कार्यों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने विशेष रूप से राज्य वित्त आयोग, 15वें वित्त आयोग, अवस्थापना निधि, मुख्य नगर सर्जन योजना, बन्धन योजना, मुख्यमंत्री नगरोदय वैश्विक योजना, पं. दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना, अन्त्येष्टि स्थल योजना एवं पेयजल योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत हो रहे कार्यों की समीक्षा की और उनकी स्थिति पर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने नगर पालिका मोदीनगर, खोड़ा-मकनपुर/ लोनी, मुरादनगर व नगर पंचायत डासना, फरीदनगर, पतला, निवाड़ी के अधिशासी अभियंता, जेई व जल निगम के

अधिकारियों से निकायवार पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वच्छता, सौन्दर्यकरण, प्रकाश, गौशालाओं, धर्मशालाओं, सरकारी भवनों सहित अन्य व्यवस्थाओं व योजनाओं में खर्च निधि व अवशेष निधि के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्ययोजनाएं वित्तीय वर्ष के अनुरूप तैयार की जाएं तथा उनमें जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना का लाभ तभी सार्थक है जब उसका सीधा प्रभाव आमजन के जीवन स्तर में सुधार के रूप में दिखाई दे। जहां जिस व्यवस्था की जरूरत पहले हो वहां उसकी सुविधा उपलब्ध कराये। बैठक में एडीएम रणविजय सिंह, अधिशासी अभियंता, जल निगम के अधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

### नई पहल: आधुनिक तकनीकी से लैस रोबोट का शुभारंभ

## सबसे पहले वार्ड-56 अवंतिका में की गई रोबोट से सीवर के मेन हॉल की सफाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** नगर निगम लगातार आधुनिक तकनीकी की ओर अग्रसर हो रहा है इसी क्रम में रोबोट के माध्यम से सीवर मैनहोल की सफाई का कार्य भी प्रारंभ कराया गया है, जिसकी शुरूआत वार्ड संख्या 56 अवंतिका में हुई। पार्षद मनोज त्यागी द्वारा आधुनिक तकनीकी से लैस रोबोट की शुरूआत पर महापौर तथा नगरआयुक्त का धन्यवाद किया गया। क्षेत्रीय निवासियों के सामने रोबोट के माध्यम से सीवर मैंन हाल की सफाई बहुत ही सरल और रफ्तार से हुई, जिस पर गाजियाबाद नगर निगम का अच्छी पहल के लिए धन्यवाद किया गया।

महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा गाजियाबाद नगर निगम को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से जनहित में कार्य करने के लिए मजबूती प्रदान की जा

रही है। निगम की कार्यदाई संस्था वी ए टेक वेबग लिमिटेड के द्वारा सीवर समस्याओं के समाधान के लिए रोबोट की शुरूआत कराई गई है, जिससे पांचों जोन अंतर्गत जनहित में तेजी से कार्य होगा शहर वासियों को राहत मिलेगी।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि बैंडीकूट रोबोट के माध्यम से गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले वार्डों में सीवर सफाई का कार्य सुविधाजनक रहेगा रोबोट में कैमरा स्क्रीन लगी हुई है जिसके द्वारा 35 फीट गहरी लाइन की स्थिति कैमरे पर देखी जा सकती है, 35 फीट लंबी लाइन की सफाई करने वाला पहला रोबोट है, जिसमें हानिकारक गैस का पता करने के लिए सेंसर भी लगे हुए हैं जिसके माध्यम से मेथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड गैस की जानकारी सेंसर के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी तथा सफाई करने वाली टीम के लिए सुविधाजनक रहेगा रोबोट के माध्यम से शहर वासियों को भी लाभ होगा। वार्ड संख्या 56 अवंतिका के अंतर्गत होली चौक पर सीवर मैंन हाल की सफाई रोबोट के माध्यम से हुई मौके पर क्षेत्रीय परिषद द्वारा अपने वार्ड से शुरूआत होने पर महापौर नगर आयुक्त का धन्यवाद किया। तथा क्षेत्र वासियों को भी गाजियाबाद नगर निगम की योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। पार्षद ने बताया किगया रोबोट के माध्यम से कम समय में सफाई हुई साथ ही जहरीली गैसों से बचाव के लिए रोबोट में लगे हुए सेंसर का इस्तेमाल भी हुआ, रोबोट के माध्यम से मैंन हॉल की सफाई को कैमरा स्क्रीन पर भी देखा गया, रोबोट पूर्ण रूप से सुविधाजनक रहेगा।

## जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

- 271 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 30 का निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निदेर्शानुसार जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

### मोदीनगर तहसील

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान

दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 104 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम अजीत सिंह, एसीपी मोदीनगर, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

### लोनी तहसील

दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 11 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

### सदर तहसील

विधायक सदर संजीव शर्मा की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 73 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 14 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एडीएम सिटी विकास कश्यप, एसडीएम अरूण दीक्षित, नगर निगम के अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 271 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 30 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

## गाड़ियों की काली फिल्म और काले शीशे हटाएं, ये महिलाओं की सुरक्षा के लिए खतरा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** एनसीआर का संवेदनशील जिला होने के चलते गाजियाबाद पुलिस की तरफ से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य तथा असामाजिक तत्वों द्वारा कारित पिछली घटनाओं को ध्यान में रखते सभी वाहनों से काली फिल्म व काले शीशे हटाने के निर्देश पुलिस की तरफ से दिये गए हैं। पुलिस का मानना है कि गाड़ियों की काली फिल्म व काले शीशे महिलाओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। धारा 163 का हवाला देते हुए इसे दो माह के लिए लागू किया गया है।

एडिशनल सीपी कानून-व्यवस्था व यातायात आलोक प्रियदर्शी ने कमिश्नरेट गाजियाबाद में

रहने वाले गाड़ी स्वामियों को निर्देश जारी किये हैं। जारी किये गए आदेश के अनुसार जनपद गाजियाबाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगा हुआ बहुत ही संवेदनशील जनपद है। वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की गई पिछली घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, यह बहुत संभव है कि असामाजिक तत्व गाड़ियों के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाकर महिलाओं की सुरक्षा को खतरा पैदा कर सकते हैं। मिशन शक्ति अभियान को ध्यान में रखते हुए कमिश्नरेट गाजियाबाद में महिलाओं की सुरक्षा को और अधिक सुनिश्चित करने तथा अवैधानिक घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी प्रकार की गाड़ियों से ब्लैक फिल्म का हटाया जाना नितांत आवश्यक है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात एवं कानून व्यवस्था ने धारा-163 बीएनएसएस-2023 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कमिश्नरेट गाजियाबाद के सभी वाहन मालिकों को जरूरी निर्देश दिये हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिये हैं कि आदेश का पालन नहीं करने वाले व्यक्ति को 2023 (बीएनएस) की धारा 223ए के तहत दंडित किया जायेगा। यह आदेश 2 अक्तूबर 2025 से प्रभावी होगा और 60 दिनों की अवधि 30 नवंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा, जब तक कि इससे पहले इसे वापस न ले लिया जाए।

## महिलाओं व छात्राओं को किया जा रहा सुरक्षा के प्रति जागरूक

- पिंक बूथ, एंटी रोमियो टीम व थाना पुलिस लगातार महिलाओं को कर रहीं जागरुक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** प्रदेश सरकार के निर्देश पर महिलाओं, युवतियों व छात्राओं को सुरक्षा के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस विभाग की पिंक बूथ व एंटी रोमियों तथा थानों की टीमें लगातार सरकारी विद्यालयों व कालेजों में जाकर पंपलेट बांटकर सुरक्षा व सशक्तिकरण के प्रति जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही गुड व बैड टच की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर हेल्पलाईन नंबरों की जानकारी दी जा रही है।

मोदीनगर पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति 5 के तहत स्कूल व कॉलेज और सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं व बालिकाओ को विभिन्न हेल्पलाईन व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरुक किया गया व महिलाओं से संबंधित सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं से अवगत कराया गया। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के

अन्तर्गत शुक्रवार को सिटी जोन के थाना मधुबन बापूधाम में महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड व पिंक बूथ द्वारा बीबीडीआईटी कॉलेज दुहाई में व अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिलाओं व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं व छात्राओं को बैड टच के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा या अपराध, असुरक्षा या समस्या होने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181, 1930 आदि के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।

इसके अलावा एंटी रोमियो स्क्वाड टीम थाना मुरादनगर पुलिस द्वारा कंपोजिट विद्यालय डिडौली में बालिकाओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित जागरूक किया गया और महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कोतवाली क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम, पिंक बूथ एवं एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा मॉडल टाउन पार्क, एमएमएच कॉलेज, रेलवे स्टेशन, अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। मिशन शक्ति टीम एवं एंटी

रोमियो स्क्वाड व पिंक बूथ टीम द्वारा ग्राम रईसपुर के कंपोजिट विद्यालय में व ग्राम रईसपुर के आंगनबाड़ी केंद्र पर चौपाल लगाकर व अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा इन्टर कालेज डूंडाहेडा एवं थाना क्रासिंग रिपब्लिक क्षेत्र में अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

पिंक बूथ टीम एवं एंटी रोमियो स्क्वाड थाना मुरादनगर द्वारा थाना क्षेत्र में भ्रमण कर महिलाओं व बालिकाओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता के लिए पंपलेट वितरण कर सरकार द्वारा संचालित लाभकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया तथा यातायात नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में भी जागरुक किया गया।

पिंक बूथ पुलिस टीम कौशांबी व एंटी रोमियो स्क्वाड थाना कौशांबी द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर महिलाओं और छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पिंक बूथ टीम एवं एंटी रोमियो स्क्वाड थाना लोनी द्वारा प्राथमिक विद्यालय प्रेम नगर लोनी में जाकर बच्चों व अध्यापकों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पिंक बूथ एवं एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा मेट्रो स्टेशन, बेहटा, सुपर गेस्ट हाउस, गुलाब वाटिका व अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व बच्चियों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा, ऑन बिराइट स्कूल एवं थाना विजयनगर क्षेत्र में अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। थाना ट्रोनिका सिटी में महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति टीम, पिंक बूथ एवं एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा हनुमान चौक, गेट नं 2 व अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण कर महिला व छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

# संगठन व सरकार के बेहतर समन्वय से गाजियाबाद विकास का मॉडल बनेगा : असीम अरुण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- विकास संबंधी तमाम महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों व जिलाधिकारी से चर्चा की

**गाज़ियाबाद।** उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं गाजियाबाद प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने आयोजित ऑनलाइन मैराथन बैठक में संगठन और शासन-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर गाजियाबाद को विकास की नई रफ्तार देने पर जोर दिया। बैठक की शुरूआत में सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जिस पर मंत्री ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि - 'मेरा जन्मदिन तभी सार्थक होगा जब हम गाजियाबाद को विकास का मॉडल शहर बनाने में सफल होंगे।'

बैठक में जिलाधिकारी रविंद्र मादड़, कमिश्नर रविंद्र गौड़, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह, सदर विधायक संजीव शर्मा और लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर उपस्थित रहे। बैठक में नगर निगम का हाउस टैक्स बढ़ोतरी का मुद्दा प्रमुखता से रखा गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने खोडा नगर पालिका की सड़क, स्वच्छता, जल निकासी व पेयजल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को तत्काल पूरा करने की मांग की। उन्होंने राजनगर डिस्टिक सेंटर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और बंद किए गए मार्ग को खोलने का भी प्रस्ताव रखा। विधायक संजीव शर्मा ने अपने विधानसभा की विकास योजनाओं के साथ-साथ नगर निगम हाउस टैक्स को जनता पर भारी बोझ बताते हुए इसे तर्कसंगत बनाने पर जोर दिया।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर और जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह ने लोनी क्षेत्र की सड़क, जलभराव, ट्रैफिक और पुलिस व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की। प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने सभी बिंदुओं पर अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा - 'गाजियाबाद को विकास का मॉडल शहर बनाने के लिए 100 प्रमुख चौराहों का सौंदर्यकरण, औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, सीवर, विद्युत व अन्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और व्यापारियों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था सुधारना प्राथमिकता होगी। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाने हेतु सभी बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए।

बैठक के अंत में प्रभारी मंत्री ने कहा कि 'Ease of Doing Business' पर विशेष फोकस रखते हुए औद्योगिक विकास और जनसुविधाओं के संतुलन से गाजियाबाद को उत्तर प्रदेश के अग्रणी शहर के रूप में स्थापित किया जाएगा।

# नई दिल्ली से कौशल दीक्षांत समारोह का पीएम मोदी ने किया शुभारम्भ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद में दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली से कौशल दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया, जिसमें भारतवर्ष के 200 चयनित आईटीआई एवं 33 एन०एस०टी०आई० को सिंगल पॉईंट कॉन्टैक्ट के द्वारा उक्त कार्यकम में प्रतिभाग किया गया।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद में विशिष्ट अतिथिगणों एवं श्री के०डी०मिश्र प्रधानाचार्य तथा कार्यदेशक श्री सतेन्द्र कुमार एंव अजय कुमार द्वारा आई०टी०आई० प्रशिक्षण उद्योगों में आई०टी०आई० उत्तीर्ण कुशल कारीगरों की महत्वता का परिचय देते हुये प्रशिक्षार्थियों को उद्योगों में प्रयुक्त होने वाली नवीन तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षण ग्रहण करने हेतु मार्गदर्शित किया गया। प्रमाण पत्र पाकर प्रशिक्षार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर प्रशिक्षार्थियों को बधाई देते हुये संस्थान के टॉपर प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रधानाचार्य द्वारा

# एमएमएच कॉलेज में कचरे को कंचन बनाने का हुनर सीखा बच्चों ने

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- कार्यक्रम में स्नातक और परास्नातक स्तर के छात्र छात्राओं ने बड़े स्तर पर भागीदारी की

**गाजियाबाद।** एम. एम. एच. कॉलेज गाज़ियाबाद में इंस्टिट्यूशनल इनोवेशन सेल और इको क्लब के संयुक्त तत्त्वधान में वेस्ट मैनेजमेंट के सृजनात्मक आयामों पर अंतर्महाविधालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया! जिसमें स्नातक और परास्नातक स्तर के छात्र छात्राओं ने बड़े स्तर पर भागीदारी की। जनपद गाज़ियाबाद के प्रमुख महाविधालय शंभु दयाल डिग्री कॉलेज, एल. आर. कॉलेज, साहिबाबाद, वी. एम. एल. जी. कॉलेज, रॉयल कॉलेज, रामा कॉलेज के 87 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेस्ट मैटेरियल से विधार्थियों ने बहुत सुंदर, आकर्षक और क्रिटिव मॉडल बनाये। प्रतिभागियों के हुनर का मूल्यांकन प्रोफेसर श्रीमती आलोक जी और प्रोफेसर जौहरी आई. टी. एस. मोहन नगर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे दोनों जूरी सदस्यों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

इको क्लब की कांविनोर डॉ रीमा उपाध्याय ने वेस्ट मैनेजमेंट के महत्व को समझाया वही आई आई सी कंवीनेर प्रोफेसर अपर्णा मल्होत्रा ने एम एम एच कॉलेज की इंस्टिट्यूशनल इनोवेशन सेल के विकास क्रम पर प्रकाश डालते हुए सेल की प्रमुख उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। महाविधालय के प्राचार्य जी प्रोफेसर संजय सिंह ने अथितियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वेस्ट मैनेजमेंट की भूमिका के लिए पर्यावरण संरक्षण में योगदान पर चर्चा की। सफल संचालन कर रही एकता कसाना ने प्रतिभागियों से सवाल पूछ कर कार्यक्रम को इंटरैकेटिव बनाया। वही कार्यक्रम के अंत में एम. एम. एच. कॉलेज की इनोवेशन सेल के कोर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ राकेश राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविधालय के विभिन्न शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अंत में प्रतियोगिता का परिणाम घोषित करते हुए महाविधालय के प्राचार्य प्रोफेसर संजय सिंह ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए प्रेरक संदेश दिया।

कचरे के सदुपयोग की इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रॉयल कॉलेज ऑफ लॉ की छात्रा पारुल ने प्रथम स्थान हासिल किया। वही द्वितीय स्थान एल. आर. कॉलेज की रिया का रहा तथा तृतीय स्थान पर एम. एम. एच. कॉलेज की आकांक्षा और रूपम रही।

वही एम. एम. एच. की ही बी काम की छात्राओं गुनगुन, आकांक्षा और हिना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। एक सांत्वना प्राइज रॉयल कॉलेज के बी काम स्टूडेंट प्रियांश को भी दिया गया। इस सफल आयोजन के लिए प्राचार्य जी ने सभी सक्रिय शिक्षकों की सराहना की, विधार्थियों का उत्साह वर्धन किया।

# महापौर सुनीता दयाल ने किया कैला भट्टा नगर निगम भूमि का निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- स्थानीय लोगों के उपयोग हेतु बनेगा बैंकेट होल : महापौर
- मस्जिद के लिए छोड़ा रास्ता और वजूखाना भी बनाएगा निगम
- आस्था को ध्यान में रखकर किया जाएगा निमार्ण : महापौर

**गाजियाबाद।** महापौर सुनीता दयाल ने नगर निगम अधिकारियों के साथ कैला भट्टा स्थित मरकज मस्जिद के पास नगर निगम की भूमि का निरीक्षण किया जिसमें नपाई कर निशान लगाकर भूमि की बाउंड्री की दीवार का चिन्हीकरण किया गया और उक्त भूमि की दीवार का कार्य शुरू किया जाएगा।

उक्त 5500 वर्गमीटर भूमि का पूर्व में महापौर की उपस्थिति में ही हाजी खलील के चुंगल से खाली कराया गया था और अब कुछ भूमि पर स्थानीय लोगो के व्यापार को बढ़ाने के लिए नगर निगम लगभग 15 दुकाने भी बना रहा है जिसका कार्य प्रगति पर है, यह दुकाने स्थानीय लोगो के ही उपयोग में आएंगी और नगर निगम की आय भी बढ़ेगी एवं ऐसे ही बाकी खाली पड़ी भूमि पर नगर निगम बाउंड्री वाल का कार्य कराकर स्थानीय लोगो की सुविधा के लिए बैंकेट हेतु भूमि दे दी है जिसमे बहुत जल्द कार्य शुरू हो जाएगा व नगर निगम की आय भी बढ़ेगी। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि उक्त भूमि पर कुछ लोगो दोबारा कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे जिसकी सूचना मिली तो यहाँ बाउंड्री का कार्य करने का निर्णय लिया व मुस्लिम समाज की आस्था को ध्यान में रखकर मस्जिद के लिए प्राथमिकता पर रास्ता दिया गया है और वजूखाना भी बनवाया जाएगा जिससे मुस्लिम समाज के लोग खुश हुए। अब इस भूमि पर लगभग 15 दुकान का निर्माण कराया जा रहा है और बाकी भूमि पर बैंकेट बनाया जाएगा जिससे स्थानीय लोग अपना व्यापार कर पाएंगे और नगर निगम की आय बढ़ेगी,ज जिसके लिए आज दीवार हेतु चिन्हीकरण के निशान लगाए गए हैं जल्द ही स्थानीय मुस्लिम समाज के लोगो को यह सौगात मिलगी और वो अपनी बहन बेटियों की शादी विवाह अच्छी व साफ जगह कर सकेंगे।

इस दौरान मुख्य अभियंता एन के चौधरी, संपत्ति अधिकारी पल्लवी सिंह,जोनल प्रभारी आर पी सिंह,अवर अभियंता सुनील,कानूनगो/लेखपाल कौशिक जी व परिवर्तन दल आदि उपस्थित रहे।

# आगामी शिक्षक एवं स्नातक चुनाव को लेकर एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में हुई बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद मेरठ रोड स्थित एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में आगामी शिक्षक एवं स्नातक चुनावों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें आगामी विधान परिषद चुनाव के अंतर्गत सभी 9 जिलों के प्रतिनिधि, एसोसिएशन के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे और सभी ने शिक्षक एवं स्नातक चुनाव के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट बनवाने का संकल्प लिया। बैठक में यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं पूर्व सांसद डॉ अनिल अग्रवाल ने वहां मौजूद सभी को आगामी चुनावों में पूरी ताकत से लग जाने को कहा और संकल्प दिलवाया कि अपने अपने जिलों से दोनों महत्तवपूर्ण चुनावों में वोटों की संख्या बढ़ाये और भाजपा के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करे. इस बैठक में मुख्य रूप से राम अवतार जिंदल, गुलशन भ्रामरी, जोगिंदर सिंह, लियाकत अली, योगेन्द्र गुर्जर, बालक राम विकल, सतीश यादव , अनिल शर्मा, घनश्याम शर्मा, अजीत सिंह, डॉ पवन कुमार गुप्ता, संतोष सिंह, डॉ फरजान, देवेन्द्र धाम, मुकेश गुप्ता, एम एस हुड्डा, पी के गोयल, राज वीर सिंह, नवीन कुमार, मासूम त्यागी, पंकज अग्रवाल, नईम अहमद, मोइन मलिक, शहजाद मलिक आदि उपस्थित रहे।

# जीएसटी अभियान के तहत व्यापारी सम्मेलन में व्यापार जगत की आवाज हुई प्रखर

## 'जीएसटी में मिली राहत, धन्यवाद मोदी सरकार' का गूंजा स्वर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गाज़ियाबाद।** भारतीय जनता पार्टी महानगर गाज़ियाबाद द्वारा जीएसटी अभियान के अंतर्गत आयोजित व्यापारी सम्मेलन का आयोजन शनिवार को चांसलर क्लब, चिरंजीव बिहार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन पार्षद मनोज त्यागी ने किया। इस अवसर पर व्यापार जगत से जुड़े सैकड़ों प्रतिनिधियों एवं व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में 'जीएसटी में मिली राहत - धन्यवाद मोदी सरकार' का स्वर बार-बार गूंजा। व्यापारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी को सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाया गया है, जिससे व्यापार में सहजता और विकास के नए अवसर खुले हैं।

मुख्य वक्ता पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि 'जीएसटी एक ऐसा कर सुधार है जिसने देश के व्यापारिक ढांचे को एकीकृत किया है। मोदी सरकार ने टैक्स दरों में लगातार कमी करते हुए हर वर्ग – छोटे व्यापारी से लेकर आम उपभोक्ता तक – को राहत दी है। यह राहत प्रधानमंत्री मोदी जी की उस सोच का प्रमाण है जिसमें हर नागरिक को 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सहभागी बनाना है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो राहत दी है, वह हर व्यापारी के खाते में पहुंचने वाली उस 'किश्त' की तरह है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में नई शुरूआत का संकेत है।' आशु वर्मा ने कहा कि जीएसटी की घटती दरों और पारदर्शी व्यवस्था से आज व्यापार में सरलता आई है और विकास की गति तेज हुई है। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि 'व्यापार वर्ग देश की आर्थिक रीढ़ है और भाजपा सदैव उनके साथ खड़ी है। यह अभियान न केवल जानकारी का माध्यम है, बल्कि व्यापारी समाज के मनोबल को भी बढ़ाने का प्रयास है। 'जीएसटी में मिली राहत - धन्यवाद मोदी सरकार' का यह भाव प्रत्येक व्यापारी के मन में है।' मुरादनगर विधानसभा के विधायक अजीत पाल त्यागी (संयोजक एवं स्वागत अध्यक्ष) ने कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कर प्रणाली को पारदर्शी और जनहितैषी बनाया गया है। भाजपा सरकार चाहती है कि व्यापारी वर्ग ईमानदारी और सम्मान के साथ व्यापार करे तथा भारत के आर्थिक विकास में भागीदार बने। जीएसटी में जो सरलीकरण और राहत दी गई है, वह मोदी सरकार की व्यापारी हितैषी सोच का प्रमाण है।' जीएसटी विषय विशेषज्ञ अधिवक्ता शिवकुमार गुप्ता ने अपने तकनीकी सत्र में जीएसटी कानून की प्रमुख बिंदुओं को समझाते हुए कहा कि 'नियमित रिटर्न फाइलिंग और ईमानदार लेन-देन से व्यापारी वर्ग को न केवल सरकारी सुरक्षा मिलती है, बल्कि उनके व्यापार की साख भी बढ़ती है।'

व्यापारी नेता अतुल जैन ने कहा कि 'मोदी सरकार ने व्यापारियों को राहत देने के लिए समय-समय पर जीएसटी दरों में कमी की है। छोटे और मध्यम व्यापारियों के हित में ऐसे निर्णय सराहनीय हैं, जिनसे बाजार में प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता दोनों बढ़ी हैं। वास्तव में, जीएसटी में मिली राहत के लिए हम प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देते हैं।' व्यापारी नेता बालकिशन गुप्ता ने कहा कि 'जीएसटी प्रणाली के माध्यम से टैक्स चोरी की संभावना कम हुई है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। हम प्रधानमंत्री मोदी जी का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने व्यापारियों के हित में निरंतर सकारात्मक सुधार किए हैं।' कार्यक्रम में समस्त व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष टोली सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा किए और सरकार की व्यापारी हितैषी नीतियों की सराहना की।

कार्यक्रम में महानगर जीएसटी अभियान संयोजक राजेश त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष महेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सरदार एसपी सिंह, जीएसटी अधिवक्ता सुनील सहलोत, व्यापारी नेता अतुल जैन, बालकिशन गुप्ता, अशोक भारतीय, समीर शर्मा, संजीव गर्ग, अजेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, अशोक राव, कुंवर पाल सिंह, पार्षद अमित डबास, पार्षद पवन गौतम, पार्षद अमित त्यागी, राजकुमार चौधरी, राजेश चतुर्वेदी, प्रमोद यादव वर्षा हजेला आदि उपस्थित रहे।

## सम्पादकीय

# अमेरिका दबाव बनाता रहा, फिर भी भारत ने रूस से तेल लेना जारी रखा

अमेरिका ने जब अपनी शुल्क नीति की घोषणा की, तो उसका मकसद जितना अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करना था, उससे ज्यादा इसे प्रभावित होने वाले देशों पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया। सवाल है कि क्या अमेरिका की ओर से पहले पच्चीस और फिर पचास फीसद तक शुल्क लगाने की घोषणा का कारण यह था कि व्यापार वार्ता में भारत को अपनी शर्तों पर सहमत किया जाए? यह बेवजह नहीं है कि भारत ने अमेरिका के इस रवैये के सामने समर्पण करने के बजाय विकल्प की राह तैयार करने की कोशिश शुरू कर दी और अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वह कच्चे तेल के भारी आयात की वजह से भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए तत्काल उपाय करे। अमल के स्तर पर यह फैसला भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाओं की खरीद के स्तर पर सामने आ सकता है। इस वर्ष के आखिर में पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा के मद्देनजर उनके इस निर्देश की अहमियत समझी जा सकती है। दरअसल, अमेरिका ने न केवल शुल्क नीति की घोषणा की, बल्कि भारत पर दबाव बढ़ाने की मंशा से रूस से तेल आयात करने पर जुमार्ना लगाने की भी बात कही। इसका आशय साफ था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे। इसके पीछे उद्देश्य चाहे जो हो, आज बहुध्रुवीय होते विश्व में इस तरह भारत जैसे एक संप्रभु और वैश्विक साख वाले देश को अपनी शर्तों पर संचालित कर पाना संभव नहीं हो सकता। यह विचित्र है कि अमेरिका ने इस मसले पर सहयोग और साझेदारी को केंद्र में रख कर नए विकल्प निकालने, द्विपक्षीय हित और सम्मान आधारित आर्थिक संबंध पर विचार करने का रास्ता अख्तियार न करके, दबाव की रणनीति का सहारा लिया। मगर यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के संदर्भ में अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने के लिए जो रणनीति अपनाई जा रही थी, भारत ने प्रकारांतर से उसमें शामिल होने या किसी के सामने झुकने से इनकार कर दिया और रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। यों भी, तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका के हर फैसले को मानने के बजाय भारत के लिए अपने हित को प्राथमिकता देना ज्यादा जरूरी है। जाहिर है, भारत की यह दृढ़ता रूस की नजर में महत्त्वपूर्ण होगी और इसीलिए उसने व्यापार संतुलन कायम करने की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से आकार देने की ओर कदम बढ़ाया है। भारत और रूस के बीच मित्रतापूर्ण संबंधों का एक लंबा दौर रहा है। विकट स्थितियों में भी दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या तनावपूर्ण स्थिति नहीं आई, जिसमें किसी पक्ष के भीतर संबंधों को लेकर कोई दुविधा हुई हो। बल्कि कूटनीतिक से लेकर सांस्कृतिक या आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों ने एक-दूसरे की प्राथमिकताओं, जरूरत पर आधारित नीतिगत फैसलों की संवेदनशीलता का हमेशा ध्यान रखा और अपनी सीमा के भीतर हर स्तर पर सहयोग किया। अमेरिका की ओर से दबाव बनाए जाने के बावजूद रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत का नहीं डिगना उसी कड़ी का एक हिस्सा है। रूस ने भारत के इस फैसले की अहमियत को समझा है और व्यापार संतुलन के लिए पुतिन के निर्देश को इसका संकेत माना जा सकता है कि आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अध्याय शुरू होंगे।

## बदलता दौर

पहले जीवन कितना सरल हुआ करता था,, आपको याद होगा हमसे पहले की पीढ़ी (7 जनरेशन से पहले की) तो इकट्ठी ही रहती थी। हमारी पीढ़ी से लोगों में अलग रहने की भावना आ गई। सबमें मेरा- मेरा शुरू हो गया। मैं और मेरे बच्चे बस। लेकिन मेरा- मेरा करते- करते हम ये भूल गए कि हम जो कर रहे हैं, वो बच्चे देख रहे हैं। उनको कितना भी पढ़ा लो समझा लो। लेकिन बच्चे जो देखकर सीखते है ना वो और किसी जरिए से नहीं सीखते।

शेखर त्यागी तलहैटा
(किसान पुत्र)

तो वापिस आते हैं मुद्दे पर.... हमने बच्चों को भरना शुरू किया कि देखो वो कितना अच्छा कर रहा है, वो कितना कमा रहा है। ये भर- भर कर हमने बच्चों के मशीन की तरह रिकॉर्ड फिट कर दिया कि बाप बड़ा न भैया, है तो बड़ा, ये रुपैया।

अब बच्चों ने जो सीखा वही करना शुरू कर दिया। लगे हुए हैं पैसे के पीछे अंधाधुन्द। किसी की परवाह नहीं करते, ना बड़े की ना छोटे की। करें भी कैसे, उनको हमने ही परिवार से निकालकर अलग रहना सिखाया।

आज बच्चे ना किसी के साथ रहना चाहते हैं। ना शादी करना चाहते हैं, ना ही उनको बच्चे पसंद हैं। लेकिन उनकी इस सोच का बाज किसने बोया हमारी वाली पीढ़ी ने। अब तो चिड़िया चुग गई है खेत पूरा। बस रोना ही बाकी रह गया है। अब वो मुड़ आएँ, क्या ये मुमकिन है?

अपने विचार लिखने से डरिए मत, क्योंकि आज सभी इसी कश्ती पे सवार हैं।

सत्य से मुख मत मोड़ो।

# सुधारों से सुनिश्चित होगी सुरक्षा, दूसरों देशों पर निर्भरता होगी कम

अमेरिका का भारत पर 50 प्रतिशत का ऊंचा टैरिफ यही संकेत करता है कि वाशिंगटन उसे विशेष रूप से निशाना बना रहा है। उसी दौरान चीन द्वारा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में गतिरोध पैदा किया गया। आर्थिक विकास के लिए यह खतरा गंभीर था। वर्चस्व की चुनौती और कभी-कभी ईर्ष्या का भाव आम जन से लेकर राष्ट्रों की प्रगति को बाधित करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति को जन्म देता है। भारत कई बार ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों का शिकार हुआ है। सौभाग्य से हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने हर बार दृढ़ता से इसका मुकाबला करने और पीछे हटने से इन्कार करते हुए देश को झुकने नहीं दिया। भारत के स्वाभिमान पर कभी आंच नहीं आई।

इस रुझान को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन शक्तियों ने अपनी आर्थिक ताकत, सैन्य क्षमता, बाजार के आकार एवं महत्वपूर्ण सामग्रियों पर एकाधिकार किया है, वे अपने प्रभाव का इस्तेमाल दूसरों को धमकाने में करते हैं। ये शक्तियां लोगों से लेकर राष्ट्रों को सबक सिखाने को तत्पर रहती हैं। अफसोस की बात है कि ऐसे मामलों में भारत के पास प्रतिकार के लिए ब्रह्मास्त्र नहीं है। आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की सहायता कर रहे चीन को भारत रोक नहीं पाया और अमेरिका के राष्ट्रपति रह-रहकर संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे। इन परिस्थितियों और परिदृश्य में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प के समक्ष खतरा उत्पन्न होता दिख रहा है। यह उचित समय है कि अपने हितों की रक्षा के लिए एक ऐसे सुदर्शन चक्र की संकल्पना को साकार किया जाए, जो किसी भी भू-राजनीतिक, आर्थिक या ऐसी ही अन्य अनेक चुनौतियों की काट करते हुए आवश्यकता पड़ने पर प्रहार भी कर सके। व्यापक सुधारों, दृष्टिकोण में परिवर्तन और राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से ही यह संभव हो सकता है। यदि संतुलन साधने और शक्ति प्राप्त करने की इस कवायद में तात्कालिक तौर पर कुछ कठिनाई भी महसूस करनी पड़ी तो उसमें कोई हर्ज नहीं। अच्छी बात है कि दीवार पर लिखी इबारत को भांपते हुए सरकार ने कुछ कदम उठाने भी शुरू कर दिए हैं।

इस कड़ी में जीएसटी सुधारों के साथ आयकर में कमी और उसे सुगम बनाने की पहल हुई है। अगला कदम आयात शुल्क को तार्किक

बनाने के साथ उसमें कटौती का होना चाहिए। इसमें कृषि एवं डेरी उत्पादों को अपवाद के रूप में रखा जा सकता है। याद रहे कि आयात शुल्क इनपुट लागत बढ़ाते हैं। अक्सर उद्योगों को अनावश्यक संरक्षण प्रदान करते हैं। अक्षमताओं को बढ़ावा देते हैं। उत्पादों को प्रतिस्पर्धी नहीं बनने देते। समय की आवश्यकता है कि विनिर्माण, कृषि और डेरी क्षेत्रों को उन्नत करने के लिए एक व्यापक रणनीति बनाई जानी चाहिए। 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' को और सक्षम बनाकर नवाचार, अवसंरचना विकास और कौशल विकास की स्थिति सुधारी जा सकती है। इस प्रक्रिया में उन्नत तकनीकों को अपनाना, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करना और मूल्य संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना भारतीय उत्पादों को वैल्यू चेन में ऊपर ले जाने के साथ ही मूल्य दबाव को भी घटाएगा। हमें यह नहीं भूलना होगा कि श्रम एवं न्यायिक जैसे दो महत्वपूर्ण सुधार लंबे समय से अटके हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत की श्रम उत्पादकता वैश्विक मानकों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है और इसे जी-20 देशों में सबसे कम माना जाता है। कम वेतन के बावजूद हमारे उत्पाद वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। विश्व बैंक की कारोबारी संचालन से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में एक अनुबंध को लागू करने में औसतन 1,445 दिन लगते हैं और इसमें अनुबंध की समग्र लागत का 25 प्रतिशत खप जाता है। अर्से से लंबित इन सुधारों को लागू करने के लिए तत्परता दिखाने, भ्रष्टाचार को समाप्त करने और सभी हितधारकों के बीच सहमति बनाना आवश्यक है। एकसमान धरातल तैयार करने, ग्राहक हितों की रक्षा और बाजार के प्रवाह को बनाए रखने पर अत्यधिक जोर देने से नवाचार और उदार प्रतिस्पर्धा की राह में अवरोध उत्पन्न हुए हैं। ऐसे में सरकार द्वारा नियुक्त समिति को जल्द ही ऐसे दृष्टिकोण की अनुशंसा करनी चाहिए, जो व्यापार में सरलता, नवाचार और जीवन की सुगमता को बढ़ावा दें। चूंकि अमेरिका और चीन के साथ व्यापार ने कुछ जोखिम पैदा किए हैं, इसलिए अपने व्यापार के भौगोलिक दायरे को बढ़ाना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य हो चला है। सरकार कई देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों को बढ़ावा दे रही है। इन समझौतों पर जितनी जल्दी सहमति बन जाए, उतना ही बेहतर।

महंगाई नियंत्रण, घाटे में कमी, सावरिन डेट नियंत्रण और विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के द्वारा वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए मोदी सरकार सराहना की पात्र है। आर्थिक स्थायित्व को देखते हुए ही वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 18 वर्ष बाद देश की रेटिंग को अपग्रेड किया है। भारत को अपनी यह स्थिति कायम रखनी चाहिए। भू-राजनीतिक जोखिम निजी निवेश की हिचकिचाहट बढ़ा रहे हैं। इस हिचक को दूर करके उसे उत्साह में बदलना होगा। हालांकि ऐसे सभी उपायों के मामले में कुछ समय लगेगा तो इस दौरान घरेलू खपत को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए।

अमेरिका के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव के दौर में प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा और शी चिनफिंग और पुतिन के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकात एक कूटनीतिक मास्टर स्ट्रोक अंतरराष्ट्रीय ढांचे को प्रभावित करने की शक्ति का प्रमाण रही। इसकी धमक अटलांटिक पार तक सुनी गई। अमेरिका द्वारा व्यापार वार्ता पर नए सिरे से वार्ता शुरू करना इसका परिणाम कहा जा सकता है। हालांकि अमेरिका के मौजूदा रवैये को देखते हुए कोई भी अपेक्षा उचित नहीं होगी। इसलिए यदि भारत हर परिस्थिति में अपने हितों की सुरक्षा चाहता है तो उसे पीएम मोदी के रिफार्म, ट्रांसफार्म और परफार्म यानी सुधार, परिवर्तन और प्रदर्शन के मंत्र को ही अपनाना होगा। यही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और वैश्विक शक्तियों के सापेक्ष प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में उपयोगी साबित होगी।

# श्रृंगी ऋषि के राम

## ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन )

**भाग 36**

**गतांक से आगे ....**

ऋषि ने कहा हे राजन्! मुझे राजकुमारों को प्रदान करो। परन्तु राजा दशरथ ज्ञान होते हुए भी अज्ञान में परिणत हो गए, राजलक्ष्मियों ने जब यह श्रवण किया कि आज महाराजा विश्वामित्र का आगमन हो रहा है तो महाराजा विश्वामित्र के नामोकरण को पाकर के तीनों राजलक्ष्मियां वहीं पर आग गई,जहाँ महाराजा विश्वामित्र और राजन विराजमान थे। राजा से याचना कर रहे हैं,राजा उस याचना को स्वीकार नहीं कर रहा है। उन्होंने नमस्कार कर,जब चरणों की वन्दना की, महाराजा विश्वामित्र से महारानी कौशल्या ने कहा, कहो ऋषिवर! आज आपका बिना सूचना के आगमन कैसे हुआ है? उन्होंने कहा कोई बात नहीं देवी!।हे प्रभु! कैसे आगमन हुआ है? उन्होंने कहा कि मैं राजकुमारों को ले जाना चाहता हूँ। राजा मुझे अर्पित नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई वाक्य नहीं भगवन्! राजकुमारों को अवश्य ले जाएं और धनुर्याग को पूर्ण कीजिए,आपका धनुर्याग पूर्ण होने के पश्चात राजकुमार अयोध्या में वापिस आने चाहिए।

राजा ने कहा, देवी! मुझे इन राजकुमारों का मोह आ रहा है। उन्होंने कहा आप मोह ममता में न जाए क्योंकि धनुर्याग तुम पूर्ण नहीं कर सकते हो। राजा नहीं कराए, तो तुम्हारे राजकुमार करा सकते हैं। दशरथ ने कहा-हम क्यों नहीं करा सकते? तो कौशल्या ने कहा, क्या तुम धनुर्याग को नहीं जानते हो। उन्होंने कहा-देवी! मैं जानता हूँ, परन्तु पूर्ण क्यों नहीं करा सकता। उन्होंने कहा, जब राजकुमार इस विद्या को जानेंगे और इस विद्या में अपने जीवन को

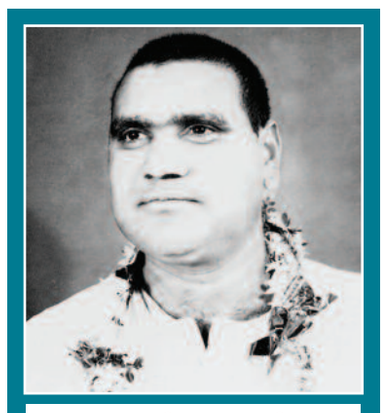

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

क्रियात्मक बनाएंगे,तो वह भविष्य की राष्ट्रीयता के लिए महान कहलायेंगे।

जब कौशल्या ने यह कहा तो राजा निरूत्तर हो गए और राजा ने राजकुमारों को कहा-तुम ऋषि के द्वार पर ऋषि के साथ जाओ। इनका याग पूर्ण कराओ। उन्होंने वहाँ से गमन किया और भ्रमण करते हुए जब वह कुछ दूरी पर पहुंचे,तो राम ने कहा, हे ऋषिवर! आप याग कहाँ करेंगे? उन्होंने कहा दण्डक वनों में, जहाँ मेरा आश्रम है, जहाँ ऋषियों ने मुझे आज्ञा दी थी,कि तुम उस स्थली पर रहना, मैं वहीं अपना याग करूंगा। राम और लक्ष्मण दोनों राक्षसों को दण्ड देते हुए और महापुरुषों की सेवा करते हुए, भ्रमण करते हुए वनों में उस स्थली पर आ गए,जहाँ महर्षि विश्वामित्र ने अपने याग का क्रिया-कलाप बनाया था। अब वह उन क्रिया-कलापों में सदैव रत्त रहते थे।

उन्होंने कहा यह मेरी स्थली है और मेरे याग को पूर्ण करो। ऋषि विश्वामित्र के वाक्य को श्रवण कर राम ने कहा-प्रभु! यह बड़ा आश्चर्य हो रहा है क्योंकि आप धनुर्याग कर रहे हैं और हमारी रक्षा चाहते हैं,यह विचार नहीं आ रहा है। महाराजा विश्वामित्र बोले तुम नहीं जानते, कि मेरे धनुर्याग का अभिप्राय यह कि मेरे यहाँ नाना प्रकार की सामग्री है, इससे यन्त्रों का निर्माण करके उसको क्रियात्मकता में लाने का प्रयास करो। जब उन्होंने यह वाक्य कहा तो राम बड़े प्रसन्न हुए और राम ने कहा प्रभु! आप तो बड़े महान हो, हमें यह प्रतीत नहीं था, आप धनुर्विद्या को क्रियात्मक में लाते रहते हो।

राम और लक्ष्मण प्रातःकालीन गुरुजन के समीप हो करके देव-पूजा करते रहते। प्रातःकालीन उनका ब्रह्मयाग तो होता रहता था। ब्रह्म का चिन्तन करना और मनन करना परन्तु देव याग होता और देव याग के पश्चात्यह धनुर्याग करते थे। धनुर्याग का अभिप्राय यह कि उनके यहाँ अस्त्रों-शस्त्रों की विद्याओं का प्रायः क्रियात्मकता में अध्ययन होता रहता।

क्रमशः....

# 'संघ का शताब्दी वर्ष और 'जेन-एन (नेशनलिस्ट)' का उदयः एक वैचारिक राष्ट्रवाद की नई पौध'

अविरल अभिलाष,
शोधार्थी- दिल्ली विश्वविद्यालय

किसी भी संगठन, विचार या आंदोलन के लिए सौ वर्ष का समय एक लंबा और महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह केवल कैलेंडर पर बदलती तारीखों का लेखा-जोखा नहीं अपितु अपने प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक की यात्रा, संघर्ष, विस्तार और प्रभाव का सिंहावलोकन करने का अवसर होता है। वर्ष 2025 में जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो यह केवल उसके अपने इतिहास का उत्सव नहीं होगा यह समकालीन भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विमर्श पर उसके गहरे प्रभाव का भी विश्लेषण होगा।

इस शताब्दी वर्ष की दहलीज पर खड़ा संघ आज जिस सबसे महत्वपूर्ण पूंजी को अपने साथ देख रहा है वह न तो उसकी संगठनात्मक शक्ति है और न ही राजनीतिक प्रभाव बल्कि वह है भारत की युवा पीढ़ी के साथ उसका गहरा होता वैचारिक संवाद। यह वह पीढ़ी है जिसे दुनिया 'जेन-जी' (Gen-Z) के नाम से जानती है लेकिन भारत के विशेष संदर्भ में एक बड़ा वर्ग 'जेन-एन' (Gen-N for Nationalists) के रूप में अपनी पहचान गढ़ रहा है।

'जेन-जी' यानी 1990 के दशक के अंत और 2010 की शुरूआत के बीच जन्मी पीढ़ी। यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया में पली-बढ़ी है, सूचनाओं के महासागर में गोते लगाती है और वैश्विक रुझानों से सीधे तौर पर जुड़ी है। आमतौर पर इस पीढ़ी को व्यक्तिवादी, उदारवादी और स्थापित सत्ताओं पर प्रश्न उठाने वाला माना जाता है। वैश्विक विमर्श इसी परिभाषा के इर्द-गिर्द घूमता है। लेकिन भारत में इस पीढ़ी की कहानी एक नया और दिलचस्प मोड़ ले रही है। यहाँ एक ऐसी युवा शक्ति का उदय हो रहा है जो अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और अपनी राष्ट्रीय पहचान को लेकर पहले से कहीं अधिक आग्रही और मुखर है। यह वह 'जेन-एन' है जो राष्ट्रवाद को एक पुराने या दकियानूसी विचार के रूप में नहीं, अपनी वैश्विक पहचान के एक अभिन्न अंग के रूप में देखती है। यह रूपांतरण आकस्मिक नहीं है। पिछले एक-डेढ़ दशक में भारत में एक ऐसा माहौल बना है जहाँ राष्ट्रीय गौरव, ऐतिहासिक विमर्श और सांस्कृतिक चेतना को मुख्यधारा में लाया गया है। सोशल मीडियाझ जो वैचारिक संघर्ष का सबसे बड़ा अखाड़ा बन चुका है, इस पीढ़ी के लिए दोधारी तलवार साबित हुआ है। एक ओर जहाँ इसे एक खास तरह के विमर्श से 'भड़काने' या 'गुमराह' करने के अनगिनत प्रयास हुए, वहीं दूसरी ओर सूचना तक आसान पहुँच ने युवाओं को अपने इतिहास, अपनी सफलताओं और अपने नायकों को एक नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर भी दिया। परिणाम यह हुआ कि जिस पीढ़ी से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह अपनी जड़ों से कट जाएगी वह अपनी पहचान की रक्षा के लिए और अधिक मजबूती से खड़ी हो गई। नकारात्मक प्रचार ने कई बार सकारात्मक ध्रुवीकरण का काम किया और संघ तथा उसके अनुषांगिक संगठनों ने इस ऊर्जा को पहचानने और उसे एक संगठनात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस वैचारिक बदलाव का सबसे स्पष्ट और जीवंत प्रमाण हमें देश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के परिसरों में देखने को मिल रहा है। छात्र संघ चुनाव किसी भी देश के युवाओं के राजनीतिक रुझान को समझने का सबसे सटीक बैरोमीटर होते हैं। हाल के वर्षों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), जो संघ का छात्र संगठन है, की सफलताओं ने इस 'जेन-एन' की कहानी को और पुष्ट किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत है। पंजाब, जो दशकों से वामपंथी और क्षेत्रीय छात्र संगठनों का गढ़ रहा है, वहाँ एबीवीपी का परचम लहराना केवल एक चुनावी जीत नहीं थी। यह उस वैचारिक किलेबंदी को भेदने जैसा था जिसे अभेद्य माना जाता था। यह जीत दशार्ती है कि राष्ट्रवाद और छात्र-हित का समन्वय युवाओं को आकर्षित कर रहा है। इसके तुरंत बाद देश की राजनीति का केंद्र माने जाने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) और दक्षिण भारत के

वैचारिक रूप से संवेदनशील हैदराबाद विश्वविद्यालय में एबीवीपी का क्लीन स्वीप करना इस प्रवृत्ति की पुष्टि करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति का एक छोटा मॉडल रहा है। यहाँ की जीत का एक प्रतीकात्मक महत्व है जो पूरे देश में संदेश देता है।

वहीं हैदराबाद विश्वविद्यालय जहाँ वैचारिक संघर्ष अक्सर तीखा और ध्रुवीकृत रहा है, में एबीवीपी की शानदार सफलता यह बताती है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विचार अब किसी क्षेत्र या भाषा तक सीमित नहीं रहा अपितु यह एक अखिल भारतीय स्वीकृति प्राप्त कर रहा है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि एबीवीपी से जुड़ने का अर्थ केवल एक छात्र संगठन की सदस्यता लेना नहीं है। यह परोक्ष रूप से संघ की उस व्यापक विचारधारा से जुड़ना है जो 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर आधारित है। एबीवीपी परिसरों में केवल चुनाव नहीं लड़ती; वह छात्रों के दैनिक मुद्दों - प्रवेश, छात्रावास, पुस्तकालय - से लेकर रक्तदान शिविर और सामाजिक सेवा के कार्यों तक में सक्रिय रहती है। सेवा का यह भाव संघ की कार्यपद्धति का मूल है, जो युवाओं को केवल नारों से नहीं बल्कि कार्यों से जोड़ता है। जब एक छात्र एबीवीपी को अपने हितों के लिए संघर्ष करते हुए देखता है तो वह उसके पीछे की विचारधारा पर भी विश्वास करने लगता है।

संघ का प्रभाव केवल छात्र राजनीति तक सीमित नहीं है। शताब्दी वर्ष के निकट आते-आते संघ से प्रेरित संगठनों का एक विशाल 'परिवार' समाज के हर क्षेत्र में अपनी जड़ें गहरी कर चुका है। यह संघ की दूरदर्शी रणनीति का परिणाम है जिसने समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचने के लिए अलग-अलग संगठनों को प्रेरित किया। राजनीतिक क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और लगातार दो बार से केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार रही है साथ ही वर्तमान समय में भाजपा और उसके गठबंधन के साथियों के साथ उसकी बहुत ही सरकार चल रही है, उसकी सफलता का आधार केवल राजनीतिक रणनीति नहीं वरन् संघ द्वारा दशकों से तैयार की गई वैचारिक पृष्ठभूमि और अनुशासित कार्यकर्ता हैं।

भाजपा ने संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे को राजनीतिक और प्रशासनिक नीतियों में बदलकर दिखाया है जिससे युवाओं में यह विश्वास जगा है कि यह विचारधारा केवल किताबों तक सीमित नहीं बल्कि व्यावहारिक भी है। इसी तरह जहाँ दशकों तक बाहरी विचारधाराएँ और धर्मांतरण की शक्तियाँ सक्रिय रहीं वहाँ वनवासी कल्याण आश्रम ने सेवा, शिक्षा और संस्कृति संरक्षण का एक विशाल नेटवर्क खड़ा किया है। इसने न केवल जनजातीय समाज को देश की मुख्यधारा से जोड़ा है अपितु उनकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने में भी मदद की है। धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना के लिए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने राम जन्मभूमि आंदोलन से लेकर देश के मठ-मंदिरों और सांस्कृतिक प्रतीकों के पुनरुत्थान तक हिन्दू समाज में एक नई आत्मगौरव की भावना का संचार किया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण इस पीढ़ी के लिए एक ऐसी ऐतिहासिक घटना है जिसने उन्हें अपनी सभ्यतागत निरंतरता का बोध कराया है।

इनके अलावा सेवा भारती, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ जैसे अनगिनत संगठन समाज के हर तबके के बीच ठोस काम कर रहे हैं। इन सभी संगठनों का विस्तार एक-दूसरे को शक्ति प्रदान करता है। जब एक युवा देखता है कि एक ही मूल विचार से प्रेरित लोग राजनीति, समाज सेवा, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से कार्यरत हैं तो उसका विश्वास उस विचार में और गहरा हो जाता है।

इस पृष्ठभूमि में संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक उत्सव नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण वैचारिक पड़ाव है। यह इस बात का प्रतीक है कि सौ वर्षों के अथक परिश्रम, विरोध और तपस्या के बाद संघ द्वारा प्रतिपादित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की विचारधारा आज भारत की मुख्यधारा बन चुकी है। और इस विचारधारा का ध्वजवाहक बनने के लिए 'जेन-एन (नेशनलिस्ट)' तैयार खड़ी है। यह पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तरह वैचारिक दुविधाओं में फंसी नहीं है। वह मुखर है, आत्मविश्वासी है और अपनी पहचान को लेकर स्पष्ट है। वह जानती है कि इक्कीसवीं सदी में भारत को एक मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनना है और इसकी नींव अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही रखी जा सकती है। संघ के लिए शताब्दी वर्ष का संकल्प केवल अपने संगठन का विस्तार करना नहीं होगा वरन् इस 'जेन-एन' की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना होगा। इस पीढ़ी को केवल अनुयायी नहीं बल्कि नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। उन्हें भारत की समस्याओं का समाधान भारतीय दृष्टिकोण से खोजने के लिए प्रेरित करना होगा।

निष्कर्षतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष एक ऐसे मोड़ पर आ रहा है जब भारत एक नई करवट ले रहा है और इस परिवर्तन की वाहक उसकी युवा पीढ़ी है। यह पीढ़ी जिसे 'जेन-एन' कहना अधिक सार्थक है, अपने वैचारिक झुकाव का स्पष्ट संकेत दे रही है। विश्वविद्यालय परिसरों से लेकर सामाजिक और राजनीतिक विमर्श तक उनकी राष्ट्रवादी आवाज अब और बुलंद हो रही है। संघ ने सौ वर्षों में जो वैचारिक बीज बोया था आज वह 'जेन-एन' के रूप में एक लहलहाती फसल बनकर तैयार हो रहा है जो आने वाले दशकों में भारत की दिशा और दशा तय करेगी। यह शताब्दी वर्ष उस मौन क्रांति का उत्सव होगा जिसकी पटकथा भारत के युवाओं ने अपने राष्ट्रप्रेम से लिखी है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

# अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस: बागपत में प्रशासन ने बुजुर्गों के चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

## जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग बांटी खुशियाँ, संग किया भोजन, वितरित किए उपहार

विश्व बंधु शास्त्री

- बुजुर्ग हमारे समाज की धरोहर, नई पीढ़ी के लिए है मार्गदर्शक, सम्मान एवं संवेदनशीलता के साथ करे वृद्धजनों की सेवा : जिलाधिकारी
- जीवन का प्रतीक पौधा रोप वरिष्ठ नागरिकों ने लिया संकल्प : सकारात्मक सोच रखते हुए मन से बनेंगे मजबूत

**बागपत।** अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बागपत में ऐसा आयोजन हुआ जिसने न केवल बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान ला दी बल्कि पूरे समाज को यह संदेश भी दिया कि वरिष्ठ नागरिक बोझ नहीं, बल्कि हमारी अमूल्य धरोहर हैं। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आज जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने संजरपुर कैडवा स्थित समाज कल्याण विभाग के आवासीय वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय व्यतीत कर उनके जीवन अनुभवों को सुना, संग भोजन किया एवं उपयोगी वस्तुएं देकर सम्मानित किया। इस दौरान केक काटकर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को उत्सव के रूप में मनाया गया एवं वृद्धजनों के संग मिलकर वृक्षारोपण भी किया।

इस वृद्धाश्रम में वर्तमान में 50 बुजुर्ग निवासरत हैं, जिनमें 20 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी वरिष्ठ नागरिकों को छड़ी, मिठाई का डब्बा, वस्त्र, स्टील वॉटर बोतल और ड्राई फ्रूट (मखाने) भेंट स्वरूप प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम के सबसे वृद्ध निवासी 97 वर्षीय रामकिशन (गांव तेड़ा) का विशेष रूप से सम्मान करते हुए उनके स्वास्थ्य व जीवन अनुभवों के बारे में जानकारी ली। प्रत्येक वृद्धजन से बातचीत की, उनकी समस्याओं और जीवन अनुभवों को सुना।

इस दौरान आश्रम प्रांगण में बुजुर्गों के नाम से पौधे लगाए गए। प्रत्येक बुजुर्ग ने अपने नाम से जीवन का प्रतीक पौधा रोप यह संकल्प लिया कि वह सकारात्मक एवं जीवंत सोच रखेंगे और मन से मजबूत बनेंगे। पौधा लगाकर सेवा भाव से प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त किया जो दयालुता के साथ सभी प्राणियों को जीवन देती है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि 'वृद्ध होना जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन यदि हम संतुलित आहार, सकारात्मक सोच और नियमित स्वास्थ्य जांच को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं तो बुजुर्ग अवस्था भी खुशहाल, सुखमय और स्वस्थ रह सकती है। बुजुर्ग हमारे समाज की धरोहर हैं, उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक की तरह हैं।'

स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को दोहराते हुए जिलाधिकारी की पहल पर वृद्धजनों की डाइट में सुपर सीड्स शामिल किए गए है जिसमें अलसी, चिया, सूरज मुखी के बीज, कद्दू के बीज एवं साथ ही ड्राई फ्रूट्स उनकी डाइट में जोड़े गए ताकि वृद्धजनों का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके जो पोषणयुक्त खानपान से संभव है। इसके साथ ही बुजुर्गों के मनोरंजन और सृजनात्मक विकास के लिए वृद्धाश्रम में प्ले जोन आदि का आयोजन किया गया जिसमें वृद्धों ने लूडो, कैरम बोर्ड, स्ट्रेस बॉल, पहेली, पुस्तकों आदि की सुविधाएं सुनिश्चित कर यह प्रयास किया गया कि वृद्धजन अकेला महसूस न करे। पूरा दिन वृद्धजनों ने आनंद एवं उत्साह के साथ बिताया। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बुजुर्गों के साथ स्नेहपूर्ण संवाद किया और उनके जीवन अनुभवों को सुना।

इसके बाद कार्यक्रम के एक खास पहलू के रूप में जिलाधिकारी सहित एसडीएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भोजन किया, जिससे एक पारिवारिक और स्नेहपूर्ण माहौल का निर्माण हुआ। इस तरह प्रशासन ने धूमधाम और उत्साह के साथ बुजुर्गों ने जिलाधिकारी अस्मिता लाल का आभार व्यक्त कर कहा कि आपके आने से हमें बड़ी खुशी और प्रशंसा मिली।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धजनों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं एवं नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ कैंप लगाकर दिया जाए। इस अवसर पर वृद्धाश्रम परिसर में विशेष स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया, जिसमें आंख, कान, दांत और मानसिक स्वास्थ्य की जांच हुई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने वरिष्ठजनों को परामर्श दिया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के उपाय बताए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन हर संभव प्रयास करेगा कि जिले का कोई भी बुजुर्ग अकेलापन महसूस न करे और हर स्तर पर उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मसम्मान की जिंदगी मिले। जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि वृद्धाश्रम उन लोगों का घर है जिनकी पूरी जिंदगी समाज को समर्पित रही है। उनका सम्मान और देखभाल करना हम सबकी जिम्मेदारी है इसलिए जिम्मेदारी एवं सेवा भावना के साथ कार्य करे।

वृद्धजन दिवस के इस आयोजन ने न केवल बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि समाज में यह संदेश भी दिया कि नई पीढ़ी को अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान, स्नेह और संवेदनशीलता को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्योति शर्मा, डिप्टी कलेक्टर मनीष यादव, एसडीएम बड़ौत भावना सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

# जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर परखी व्यवस्था

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**बागपत।** जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने हमीदाबाद उर्फ नया गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में कई खामियां उजागर हुई, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कुल 221 छात्र-छात्राओं में से 184 विद्यार्थी उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने सबसे पहले विद्यालय परिसर में उखड़े खड़ंजे को देखकर कड़ी नाराजगी जताई। साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया और शौचालयों, हैंडवॉश यूनिट तथा पेयजल व्यवस्था की जांच की। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का मिलान कर शिक्षकों की उपस्थिति भी जांची। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता परखने के लिए बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का स्वयं परीक्षण किया जिसमें शनिवार को चावल और आलू की सब्जी बनी थी। जिलाधिकारी ने भोजन का स्वाद चखा, स्वच्छता व पोषण मानकों को परखा और बच्चों से भोजन की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने रसोईघर की स्वच्छता, भंडारण व्यवस्था तथा पोषण मानकों की समीक्षा की। सख्त लहजे में कहा कि बच्चों के भोजन और पोषण से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके बाद जिलाधिकारी ने कक्षा-कक्षों का निरीक्षण करते हुए बच्चों से सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पाठ्य 8पुस्तकों, गणना, पठन-पाठन व सामान्य ज्ञान संबंधी प्रश्न पूछे और शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ही भविष्य की कुंजी है और प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में ऐसा माहौल मिलना चाहिए जहाँ वे निर्भीक होकर सीख सकें।

# बागपत में राजभाषा हिंदी के विभिन्न आयामों पर हुआ मंथन, हिंदी में कार्य करने की ली प्रतिज्ञा

## चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान में हिंदी कार्यशाला संपन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**बागपत।** भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय की ओर से बागपत के चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बागपत के सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा किया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर राजभाषा हिंदी में कार्य करने की प्रतिज्ञा ली।

मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित केनरा बैंक के वरिष्ठ राजभाषा प्रबंधक एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव अभय नाथ मिश्र ने कार्यशाला में राजभाषा हिंदी के विभिन्न आयामों, संवैधानिक प्रावधानों, नियमों और अधिनियमों पर गहन और व्यावहारिक दृष्टि से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालयीन कार्यप्रणाली में हिंदी का प्रयोग केवल नियम के पालन के लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक दक्षता को भी सशक्त बनाता है। विकसित भाषा से ही विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। हिंदी को अपनाकर हम न केवल अपने कार्यालयीन कार्यों को सशक्त बनाएंगे बल्कि राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति को भी मजबूत करेंगे।

संस्थान के संयुक्त आयुक्त डॉ संदीप कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे हिंदी को अपने दैनिक पत्राचार, रिपोर्ट लेखन, नोटिंग और प्रस्तुति कार्यों में प्राथमिक भाषा के रूप में अपनाएँ, ताकि सरकारी कार्यालयों में राजभाषा के संवैधानिक उद्देश्य का सशक्त क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि हिंदी के सक्रिय प्रयोग से प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, संवाद की स्पष्टता और कर्मचारियों की सहभागिता बढ़ती है।

स्वागत भाषण में संस्थान के सहायक आयुक्त एवं हिंदी अधिकारी विकास गुप्ता ने कहा कि हिंदी कार्यशालाएँ सरकारी कार्यालयों में हिंदी के व्यावहारिक क्रियान्वयन को गति देती हैं और प्रेरित करती हैं कि वे राजभाषा के संवर्द्धन में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे अपने-अपने कार्यालयों में हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करेंगे और हिंदी को शासकीय कार्यों की प्रथम भाषा बनाने की दिशा में सक्रिय योगदान देंगे।

इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त आयुक्त डॉ अश्वनी कुमार सिंह, सहायक आयुक्त डॉ शीतल पंत, डॉ हिमांशु शर्मा, डॉ आलोक कुमार यादव, डॉ निहार नालिनी, डाक विभाग से नवीन कुमार, केंद्रीय विद्यालय चांदीनगर से डॉ उमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

# वृक्षारोपण के साथ किया गया स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े का समापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**ब्रिजघाट।** ब्रिजघाट स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क के परिसर में मुख्य अतिथि विधायक श्री हरेंद्र सिंह तेवतिया नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राकेश बजरंगी भारतीय जनता पार्टी की जिला मंत्री श्रीमती पिंकी त्यागी पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग प्रभातिया वन अधिकारी अर्शी मलिक गढ़मुक्तेश्वर वन क्षेत्राधिकार करन सिंह एवं भाजपा के मंडल नगर अध्यक्ष दीपक गौड़ ने वृक्षारोपण करते हुए पौधों की सुरक्षा पर विशेष बल दिया कचनार का पौधा लगाते हुए विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने मेला मार्ग पर भी वन विभाग द्वारा प्लांटेशन करने की बात कही तथा अपनी विधायक निधि से ट्री गार्ड लगाने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार स्वच्छता पखवाड़े को भी एक विशेष उत्सव में बदलने का कार्य करती है उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के आह्वान पर इस बार वृक्षारोपण का जो सेवा पर्व का कार्य वन विभाग को दिया गया है वह अत्यंत ही सराहनीय हैं जिसे हमारे कार्यकताओं एवं पदाधिकारी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया है निश्चित रूप से ही लगातार हरियाली का क्षेत्रफल बढ़ रहा है जिसके लिए वन विभाग बधाई का पात्र है इस अवसर पर पर्यावरण विद् भारत भूषण गर्ग ने बताया कि इस बार स्वच्छता पखवाड़े में सेवा के अंतर्गत गढ़मुक्तेश्वर रेंज के साथ विद्यालयों में बच्चों के साथ गोष्ठियां करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं पुष्पावती पूठ घाट पर स्वच्छता रैली का आयोजन करने के पश्चात घाटों की साफ सफाई का कार्य भी किया गया जिसका एक सार्थक संदेश समाज के बीच गया।

जिला मंत्री पिंकी त्यागी ने वन विभाग द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण की सराहना करते हुए अपनी एवं पार्टी की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए इस कार्य को और लगन के साथ आगे बढ़ाने की बात कही।

प्रभागीय वन अधिकारी अर्शी मलिक ने उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया इस अवसर पर करण गौतम प्रधान मनोज कुमार अर्जुन ठाकुर रोहित मल्होत्रा वन दरोगा गौरव कुमार सबाबुल हसन शुभम चौहान भावना कुमारी अजब सिंह गौरव कुमार बिट्टू आदि की उपस्थिति विशेष रही।

# बागपत की तीनों तहसीलों में आई 101 शिकायतों में से 18 का निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**बागपत।** डीआईजी मेरठ कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी अस्मिता लाल एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बागपत तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल प्राप्त 101 शिकायतों में से 18 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने बताया कि बागपत तहसील के सम्पूर्ण समाधान दिवस में 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया। खेकड़ा तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में 10 शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में बड़ौत तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में 41 शिकायतें प्राप्त हुई मौके पर 04 का निस्तारण किया गया। बागपत तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के लिए आयोजित कैंप में पेंशन, दिव्यांग, राशन कार्ड, आयुष्मान, आवास आदि संबंधित विभागों के स्टाल लगाए गए।

डीएम ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं, सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधित शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर एसडीएम बागपत अमर चंद वर्मा, तहसीलदार अभिषेक कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी राहुल वर्मा सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# गन्ना किसानों के हित में समिति सदस्यता एवं उपज बढोत्तरी हेतु 10 दिन बढायी गयी अंतिम तिथि: गन्ना आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** प्रदेश की आयुक्त, गन्ना एवं चीनी ने समीक्षा बैठक में अवगत कराया कि जिला गन्ना अधिकारियों एवं किसानों की मांग के दृष्टिगत पेराई सत्र 2025-26 के लिये समिति सदस्यता 10 अक्टूबर, 2025 तक बढ़ा दी गयी है, जो कृषक अभी तक समिति सदस्य नहीं बन पाये हैं, उन्हें वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में गन्ना आपूर्ति का लाभ लेने हेतु 10 दिन का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। पूर्व में पेराई सत्र 2025-26 हेतु जारी सट्टा नीति में गन्ना समिति सदस्यता एवं उपज बढोत्तरी हेतु अन्तिम तिथि 30 सितम्बर, 2025 तक ही निर्धारित थी।

गन्ना आयुक्त ने अपील की है कि ऐसे कृषक जिन्होंने पहली बार गन्ने की खेती की है, समिति सदस्य बनकर गन्ना आपूर्ति का लाभ उठाये तथा राज्य सरकार द्वारा घोषित गन्ना मूल्य दर पर गन्ना आपूर्ति कर लाभ प्राप्त करें। गन्ना किसानों के अधिक से अधिक समिति के नये सदस्य बनने से गन्ने की उपलब्धता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास गन्ने की उपज जिले के औसत उपज से अधिक है, वे कृषक उपज बढ़ोत्तरी हेतु अपना आवेदन पत्र 10 अक्टूबर, 2025 तक जमा कर सकेंगे तथा उन्हीं गन्ना कृषकों को उपज बढ़ोत्तरी की व्यवस्था का लाभ प्रदान किया जायेगा।

# वरिष्ठ नागरिक कल्याण ट्रस्ट ने किया शिक्षकों को सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**बागपत।** अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शनिवार को शहर के वात्सायन पैलेस में आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा जगत की उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ गायत्री महामंत्र के पाठ तथा समापन राष्ट्र गान से हुआ। समारोह में सम्मानित प्रतिभाओं में पूर्व प्राचार्या डॉ०श्रीमती इन्दिरा देवी, महावीर शर्मा, राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त ममता मानव, पूर्व प्रधानाचार्य जुगल किशोर, शिक्षिका श्रीमती शिवानी आर्या व श्रीमती ऋतु अग्रवाल, मा०श्योराज शामिल हैं। संस्था की ओर से सभी को शाल, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष शिक्षाविद कुंवर महा सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता होता है। शिक्षक बच्चों को शिक्षा देने के साथ उनका चरित्र निर्माण भी करते हैं। संचालन महामंत्री डा०महेन्द्र सिंह धामा मैनेजर ने किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक प०राजपाल शर्मा,मा०बशीर अहमद, वरिष्ठ अधिवक्ता देवेन्द्र आर्य, प० राधेश्याम शर्मा, गजेन्द्र सिंह बली एडवोकेट,मान सिंह पाल,मैनेजर अजय कुमार, विजयपाल यादव, जय प्रकाश धामा,सुनील जैन,शीशपाल तोमर, ब्रह्मपाल रोहिला, राजेश्वर तोमर,शिव प्रसाद, धर्मपाल चौहान आदि उपस्थित रहे।

# वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश वशिष्ठ ने 106 वीं बार रक्तदान किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**जोधपुर।** जोधपुर शहीद स्मारक पर आज महान क्रांतिकारी शहीद ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर वंदे भारत सेवा संस्थान की ओर से विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और वरिष्ठ पत्रकार डॉ राकेश वशिष्ठ ने अपना 106 वां रक्तदान कर एक अनोखी मिसाल कायम की। डॉ राकेश वशिष्ठ ने रक्तदान करते हुए कहा कि अभी 106 पर नॉट आउट बैटिंग कर रहा हूं और जब तक ईश्वर स्वस्थ रखेगा रक्तदान की यह बैटिंग लगातार जारी रहेगी क्योंकि रक्तदान एकमात्र ऐसा जरिया है जिसके द्वारा आप किसी इंसान की रगों में लहू के रूप में दौड़ते हुए उसको जीवनदान देने का पुनीत कार्य करते हो अतः इस मिथक को तोड़ना होगा कि रक्तदान से कोई कमजोरी होती है बल्कि रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और स्फूर्ति आती है अतः हमें नियमित रक्तदान करना चाहिए और सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। आपको बता दें डॉ राकेश वशिष्ठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में देहदान और अंगदान का पंजीयन करवा चुके हैं साथ ही अभी तक लगभग 538 व्यक्तियों को प्रेरित कर उनका देहदान अंगदान हेतु पंजीयन कराया है।

# क्रांतिधरा साहित्य अकादमी, मेरठ, भारत द्वारा भूटान की राजधानी थिंफू में 'भूटान भारत साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव' का आयोजन

**यू.पी. ऑब्ज़र्वर**

**मेरठ।** क्रांतिधरा साहित्य अकादमी, मेरठ, भारत द्वारा चारू साहित्य प्रतिष्ठान, कोसी प्रदेश, नेपाल और भूटान पोयट्री क्लब के सहयोग से 'भूटान भारत साहित्य व सांस्कृतिक महोत्सव' का आयोजन भव्य सभागार 'व्हाइट तारा' में आयोजित किया गया।

जिसमें भूटान के शिक्षाविद्, लेखक, कवि, चारूकार आदि शामिल रहे, इसके साथ ही समस्त भारत से 70 से अधिक नवोदित व वरिष्ठ लेखक, कवि, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षाविद लोगों की सहभागिता रही । संचालन डा विजय पंडित द्वारा किया गया। भूटान भारत साहित्य महोत्सव, थिंफू, भूटान उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता राजेन्द्र मोहन शर्मा की रही और अपने संबोधन में भूटान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों की मजबूती के लिए इस तरह के आयोजनों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका बताई ।

मुख्य अतिथि मास्को, रूस से आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायरा, समाजसेवीका डॉ श्वेता सिंह उमा रहीं उन्होंने अपने उद्बोधन में सकारात्मक लेखन और जिम्मेदार लेखन पर जोर दिया ।उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भूटान पोयट्री क्लब की संस्थापक सीता माया राई, भूटान में वरिष्ठ शिक्षाविद डा देवेंद्र अरोड़ा, डा विमला भंडारी, राजेन्द्र पुरोहित, डा पुष्पा कलाल, डा विष्णु भंडारी रहे।

भूटान भारत साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजक डॉ विजय पंडित, सतेन्द्र शर्मा और सीमा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा एक दर्जन से अधिक पुस्तकों का विमोचन किया गया साथ ही संस्थान की ओर से राजेन्द्र मोहन शर्मा को डा योगेंद्र नाथ शर्मा अरूण साहित्य शिरोमणि अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य शिरोमणि अवार्ड डा कविता विकास, डा मधु खंडेलवाल, राजेन्द्र पुरोहित, डा विमला भंडारी, डा विष्णु भंडारी को लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय आल्हा गायक संग्राम सिंह को अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत मैत्री अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत तथागत गलोबल पीस अवार्ड डा सतेन्द्र शर्मा और डा अरविन्द यादव, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत शिक्षा शिरोमणि अवार्ड डा शिखा कौशिक, डा ममता शर्मा, नूतन सिन्हा, डा ब्रजलता शर्मा, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य शिरोमणि अवार्ड सीमा वर्णिका, डा हेमप्रभा हाजरिका, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत समाज शिरोमणि अवार्ड डा अनीता गुरूंग, अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत समाज रत्न अवार्ड से मनमाया गुरूंग से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर विजय पंडित ने अपने संबोधन में कहा कि भूटान भारत साहित्य एवं सांस्कृतिक महोत्सव वसुद्धैव कुटुम्बकम की भावना के साथ आयोजित किया जा रहा है जिसके माध्यम से दोनों देशों के मध्य ऐतिहासिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। यह आयोजन दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर सहयोग की भावना, भाईचारा, प्रेम, साहित्य का अनुवाद व लेखन, पठन पाठन के दायरे को विस्तार प्रदान करते हुए एक सशक्त साहित्यिक सेतु का निर्माण करता है। भूटान भारत साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन और डा कमलेश शुक्ला द्वारा सरस्वती वंदना, आचार्य डा खेमचंद शास्त्री यदुवंशी द्वारा श्रीगणेश वंदना द्वारा किया। उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ से आमंत्रित डा अनुराधा दुबे द्वारा कथक नृत्य को भूटान व भारत के सभी अतिथियों द्वारा सराहा गया। लघुकथा सत्र में राजेन्द्र पुरोहित, डा विमला भंडारी, मधुर कुलश्रेष्ठ, ज्योत्सना सक्सेना शामिल रहे सभी ने लघुकथा पाठ किया। कहानी सत्र में मृदुला श्रीवास्तव और डा कुसुम सरसवाल ने कहानी पाठ किया। तृतीय सत्र बहुभाषी गीत, गजल, कविता, चारू को समर्पित रहा जिसका सफल संचालन डा कविता विकास द्वारा किया गया। भूटान की बेहद खूबसूरत राजधानी थिंफू के भव्य सभागृह 'व्हाइट तारा' में आयोजित 'भूटान भारत साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव' के दुसरे दिन प्रथम सत्र में पुस्तकों के विमोचन और प्रो अजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा 'भारतीय दर्शन और मानवाधिकार' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। मंचासीन अतिथियों में प्रो अजय कुमार श्रीवास्तव, हेमंत सक्सेना, डा मधु खंडेलवाल, डा विमला भंडारी, सीमा शर्मा, आचार्य खेमचंद शास्त्री, कन्हैया लाल भ्रमर और सत्र अध्यक्ष राजेन्द्र मोहन शर्मा रहे। सत्र संचालन डॉ विजय पंडित और डा सीमा वर्णिका ने किया।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे राजेन्द्र मोहन शर्मा ने अपने सम्बोधन में आयोजन को भूटान और भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संबंधों के लिए मील का पत्थर बताया और कहा की भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चहिये, आयोजक डॉ विजय पंडित को विशेष रूप से बधाई देते हुए सभी अतिथियों का अभिनन्दन किया।

समस्त भारत से जानीमानी साहित्यिक सामाजिक विभूतियाँ भूटान की बेहद खूबसूरत राजधानी थिम्फु के व्हाइट तारा सभागार में आयोजित भूटान भारत साहित्य महोत्सव में शामिल हुए जिनमे मुख्य रूप से सतेन्द्र शर, सीमा शर्मा मेरठ, राजेंद्र पुरोहित और अनीता पुरोहित जी जोधपुर , दीपशिखा क्षेत्रपाल, अजमेर, पुष्पा क्षेत्रपाल, अजमेर, डा सीमा वर्णिका, कानपुर , डॉ प्रमोद कुमार श्रोत्रिय, पिथौरागढ़, डॉ.पुष्पा कलाल, उदयपुर, श्रीभंवरलाल जलानियाँ, उदयपुर, सुरेश सोनपुरे 'अजनबी', भोपाल , डा अनिल शर्मा 'मयंक', भोपाल , डॉ गोपेश वाजपेयी, भोपाल, अशोक व्यास, भोपाल, राम अवतार पाल, सिकन्द्राबाद, समर बहादुर सरोजः राजस्थान, जगदीश भंडारी, राजस्थान, डॉ मधु खंडेलवाल मधुर, अजमेर, डा अनुराधा दुबे, रायपुर, छत्तीसगढ़, डा अर्चना तिर्की, झारखंड, मधुर कुलश्रेष्ठ, गुना, नीलम कुलश्रेष्ठ, गुना, प्रो अजय कुमार श्रीवास्तव, शिमला, मृदुला श्रीवास्तव, शिमला, डा कुसुम सरसवाल, शिमला, नूतन कुमारी सिन्हा, पटना, शुभादित्य सिन्हा, पटना, डॉ हरेंद्र हर्ष, डा रेणु शर्मा, हाजीपुर, बिहार, डा मीनाक्षी जोशी, महाराष्ट्र, रेखा रोशनी, मुंबई, रइसा यूनुस शेख 'खुमार आरजू', नासिक, ज्योत्सना सक्सेना, बृज वल्लभ आसरे, डॉ धर्मेन्द्र सिंह धरम मैनपुरिया, मैनपुरी, ऋषि कुमार शर्मा, एडवोकेट, आनंद श्रीवास्तव, प्रयागराज , डा बाल कृष्ण पांडेय, प्रयागराज, एस एन निगम, प्रयागराज , डा शिखा कौशिक, उत्तर प्रदेश , कविता विकास, नौएडा, डा कमलेश शुक्ला, कानपुर, डॉ ऊषा शा, कोलकाता, राजेंद्र मोहन शर्मा, जयपुर, सरोज शर्मा, जयपुर, कन्हैयालाल भ्रमर, जयपुर, भगवती देवी, जयपुर, डा कविता माथुर, जयपुर, कौशल्या अग्रवाल, जोधपुर, डॉ विमला भंडारी, सलूम्बर, दिल्ली, गीतांजलि वाष्णेय, बरेली, जसप्रीत कौर फलक , पंजाब, डा विष्णु भंडारी, असम, डॉ अनीता गुरूंग, सिक्किम, मन माया गुरूंग, सिक्किम, डॉ हेमप्रभा हाजरीका, असम, आचार्य डा खेमचंद यदुवंशी शास्त्री, मथुरा, शीतल देवयानी इंदौर, डॉ बृजलता शर्मा, ग्रेटर नोएडा, अरविन्द यादव, गाजीपुर, अंतरराष्ट्रीय आल्हा गायक संग्राम सिंह, कन्नौज, डॉ रविन्द्र सेठ , डा ममता शर्मा 'अंचल', डा सतेन्द्र शर्मा, कर्नाटक, सीमा शर्मा, कर्नाटक, हेमंत सक्सेना, मेरठ , सुशील 'साहिल' कोलकाता से शामिल रहे।

बृजभूमि से पधारे आचार्य खेमचंद शास्त्री द्वारा नौटंकी विधा पर विस्तृत जानकारी दी गई और नौटंकी प्रस्तुत की।

वनवासी राम : प्रसंग- सबरी के राम का मंचन प्रस्तुत किया गया जिसमें सबरी माताः डा ऊषा शा, कोलकाता,

रामः आनंद प्रकाश, प्रयागराज, लक्ष्मणः करमा दोरजी भूटान ने निभाई, प्रस्तुतिकरणः डा ललित सिंह ठाकुर, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया ।

असमिया नृत्य 73 वर्षीय डा हेमप्रभा हाजरिका द्वारा प्रस्तुत किया गया। भूटानी सांस्कृतिक कार्यक्रम और थिंफू घोषणा पत्र के साथ क्रांतिधरा साहित्य अकादमी मेरठ, भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय भूटान भारत साहित्य सांस्कृतिक महोत्सव का समापन हुआ।

## श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस के संयुक्त तत्वाधान में

# 'रोल ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स ईन रोड सेफ्टी अवेयरनेस ईन इण्डिया' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित

**यू.पी. ऑब्ज़र्वर**

- पद्मश्री से सम्मानित एवं 'एम्स गुवाहटी' के प्रेसीडेन्ट देश के विख्यात आर्थो एवं स्पाईन सर्जन डॉ. बी.के.एस संजय ने उपस्थित चिकित्सको एवं मेडिकल स्टूडेन्टस को बताया कि मेडिकल प्रोफेशनल्स की सक्रिय भागेदारी एवं सघन जागरूकता अभियान से प्रतिवर्ष डेढ लाख से अधिक मौतो को रोका जा सकता है

**मेरठ।** आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं विम्स मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वांधान में 'रोल ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स ईन रोड सेफ्टी अवेयरनेस ईन इण्डिया' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभाग करते हुए देश के विख्यात आर्थो सर्जन पद्मश्री डॉ. बी.के. एस. संजय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओ को रोकने एवं सड़क सुरक्षा को जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक विशेष रूप मेडिकल प्रोफेशनल्स का इसमें सबसे अहम रोल है। किसी भी सड़क दुर्घटना होने पर पहला एक घंटा सबसे अहम होता है, जिसमें पीड़ित को प्राथमिक उपचार से लेकर हायर सेंटर तक लाने एवं वहां पर त्वरित एडवांस उपचार उसकी जान बचाने में सबसे अहम रोल अदा करता है।

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि देश के सभी जिम्मेदार नागरिक विशेष रूप से युवा यातायात नियमों का पालन करें, नशे में गाड़ी चलाने से बचे, सुरक्षित दूरी बनाये रखे, आदि नियमो के पालन से हम प्रतिवर्ष लाखो लोगो की जान बचा सकते है। इस अवसर पर डीन मेडिकल डॉ. संजीव एच. भट्, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश मेहता, डॉ. सुप्रीति भटनागर, डॉ. बी.एस. त्यागी, डॉ. साची अहलावत, डॉ. दीपाली गुप्ता, डॉ. सचिन टूटू, डॉ. अल्ताफ, डॉ. रूचि मान, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. सोनिया रावत, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन एनॉटमी की एसोसिऐट प्रोफेसर डॉ. सुप्रीति भटनागार ने किया।

## सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम संगठित रहने की प्रेरणा व मानवता का भाव जागृत करते हैं: डीएम

**यू.पी. ऑब्ज़र्वर**

**गाजियाबाद।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि हमें उस अंधी दौड़ का हिस्सा नहीं बनना है जो कि हमें संस्कारविहीन व अन्दर से खोखला बना दें।

हमें साधारण, सौहार्दपूर्ण, स्वास्थ्यवर्धक व स्वच्छ जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक व धार्मि कार्य हमें संगठित रहने व मानवता का भाव जगाने का प्रेरणा देते हैं।

जिलाधिकारी के यह भाव गांधी व शास्त्री जी जयंती के साथ ही विजयदशमी के पर्व के उपलक्ष्य में अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कहा कि महापुरूषों सहित अन्य सांस्कृतिक, धार्मिक, देशभक्ति आदि कार्यक्रम का आयोजन सिर्फ उन लोगों को याद करने के लिए या रीति–रिवाजों को निभाने के लिए नहीं किया। अपितु यह सभी कार्यक्रम हमें अपने जीवन में कुछ ना कुछ सीखने या समझने के लिए आयोजित होते हैं।

उन्होने कहा कि हमें सोशल मीडिया पर चल रहे चलनों को देखते हुए पश्चिमी देशों की सभ्यता की ओर आर्कषित नहीं होना है हमें

उस अंधी दौड़ का हिस्सा नहीं बनना है जो कि हमें संस्कारवहीन व अन्दर से खोखला बना दें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह एवं आबकारी अधिकारी संजय सिंह ने भी महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, आदर्शों एवं योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड ने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। उधर विकास भवन में सीडीओ अभिनव गोपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण की। इसके बाद स्वच्छता की शपथ दिलाने के साथ ही सफाई मित्रों को सम्मानित भी किया गया।

## श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के मार्गदर्शन में निकल रही पवित्र छड़ी यात्रा

# माया देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर पवित्र छड़ी यात्रा ऋषिकेश के लिए रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हरिद्वार।** श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा शुक्रवार को माया देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात शुभ मुहूर्त में ऋषिकेश के लिए प्रस्थान कर गई। शुक्रवार को पवित्र छड़ी यात्रा का अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया। पवित्र छड़ी यात्रा को माया देवी मंदिर व भैरो मंदिर में पूजा-अर्चना कर जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने ऋषिकेश के लिए रवाना किया।

पवित्र छड़ी यात्रा जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के मार्गदर्शनमें निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान अध्यक्षता हिमालयन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर विरेंद्रानंद गिरि महाराज की रहेगी।

जूना अखाड़े के वरिष्ठ सभापति महंत प्रेम गिरि महाराज, अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मनसा देवी ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज, जूना अखाड़े के अध्यक्ष श्रीमहंत मोहन भारती महाराज व सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत मंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भी पूजा-अर्चना की।

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के हर क्षेत्र का विकास हो व लोगों को रोजगार मिले, उपेक्षित तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार हो और उनका प्रचार-प्रसार कर उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा मिले, इस उद्देश्य से ही हर साल इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि उत्तराखंड की सुख-समृद्धि, विकास, सीमावर्ती क्षेत्र के विकास के साथ दुर्गम क्षेत्रों में उच्च शिक्षण संस्थान, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्थापित किए जाने के उद्देश्य से यह यात्रा की जा रही है।

श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने कहा कि यह पवित्र छड़ी उत्तराखंड के सभी प्रमुख तीर्थ के अतिरिक्त ऐसे तीर्थ पर भी जाएगी जो अभी तक उपेक्षित अवस्था में है। यात्रा के माध्यम से इन तीर्थों के विकास व जीर्णोद्धार के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के विकास के लिए यहां से होने वाले पलायन पर अंकुश लगाना जरूरी है। पवित्र छड़ी यात्रा लोगों के साथ सरकार को भी जागरूक करेगी ताकि उत्तराखंड में विकास की गंगा बहे और यहां से होने वाला पलायन रुके। श्रीमहंत मोहन भारती ने कहा कि पवित्र छड़ी यात्रा पर्यटकों व तीर्थ यात्रियों को आकर्षित करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि गढ़वाल केदार खंड तथा कुमाऊं मानस खंड में कई ऐसे तीर्थ हैं, जिनका प्रचार-प्रसार करने से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इनमें आदि बद्री, भविष्य बद्री, सीतामढ़ी, अनुसूया मंडल, गणनाथ महादेव, थल महादेव, कटारमल का सूर्य मंदिर, नौटी गांव का श्री यंत्र मंदिर प्रमुख हैं।

महंत विरेंद्रानंद गिरि महाराज ने कहा कि पवित्र छड़ी के माध्यम से उत्तराखंड के उपेक्षित पौराणिक तीर्थ को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उपेक्षित पौराणिक तीर्थ का जीर्णोद्धार होने से विकास से वंचित क्षेत्रों का भी विकास हो सकेगा।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः की भावना के साथ पवित्र छड़ी यात्रा को पुनः शुरू कराया है। उत्तराखंड का विकास कराकर यहां के पलायन को रोकने, उपेक्षित पौराणिक महत्व के तीर्थों का जीर्णोद्धार कराकर उनकी ख्याति पूरे विश्व में फैलाकर सनातन धर्म के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक करने की सोच केवल हरि गिरि महाराज जैसे सच्चे संत ही रख सकते हैं। छड़ी यात्रा का गोकर्ण आश्रम, भल्ला गिरि आश्रम व स्वतंत्र पुरी आश्रम में स्वागत हुआ। शुक्रवार को पवित्र छड़ी यात्रा ऋषिकेश में तारादेवी मंदिर, त्रिवेणी घाट, दुर्गा मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, मायाकुंड, भरत मंदिर पहुंची।

## महापुरुषों की जयंती पर हापुड़ पुलिस ने लिया संकल्प, एसपी ने जवानों को दिलाई शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बुधवार को जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस लाइन हापुड़ में पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने दोनों महान विभूतियों के छायाचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जवानों को कर्तव्यनिष्ठा, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की शपथ दिलाई गई।

एसपी ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया और मिठाई वितरण कर गांधी जयंती की शुभकामनाएं दीं। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शपथ दिलाते हुए कहा कि गांधी जी के आदर्श आज भी पुलिस बल के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। वहीं क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारियों ने भी अपने-अपने थानों व कार्यालयों में श्रद्धांजलि अर्पित कर कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई।

'आज हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मना रहे हैं। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का जो संदेश दिया, वह केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत है। गांधी जी का मानना था कि यदि हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करे तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत बनेंगे।

पुलिस बल के लिए गांधी जी की शिक्षा और शास्त्री जी का आदर्श जीवन बेहद महत्वपूर्ण है। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारी जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के प्रति संवेदनशील रहना और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है।

आज मैंने अपने सभी जवानों को कर्तव्यनिष्ठा और स्वच्छता की शपथ दिलाई है। मैं चाहता हूँ कि हर पुलिसकर्मी गांधी जी की सीख को अपने आचरण में उतारे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के नारे को भी हमें अपनी प्रेरणा बनाना होगा, ताकि हम समाज के हर वर्ग की सेवा कर सकें।'

## मिशन शक्ति 5.0 के तहत हापुड़ में 'ड्राइविंग माय ड्रीम्स' मेगा इवेंट का आगाज

### महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की शानदार पहल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत हापुड़ जनपद में महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। शुक्रवार को आर्य कन्या महाविद्यालय परिसर में भव्य आयोजन के बीच 'ड्राइविंग माय ड्रीम्स' मेगा इवेंट का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनें बल्कि आत्मविश्वास के साथ समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें। यह आयोजन जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय के निर्देश और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन परिवहन विभाग की ओर से एआरटीओ प्रवर्तन रमेश चौबे और एआरटीओ प्रशासन छवि सिंह चौहान ने किया।

### महिलाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण और लाइसेंस

'ड्राइविंग माय ड्रीम्स' के तहत महिलाओं और बालिकाओं को निःशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनका ड्राइविंग लाइसेंस भी बनवाया जाएगा। एआरटीओ प्रशासन छवि सिंह चौहान ने विस्तार से ड्राइविंग लाइसेंस की पंजीकरण प्रक्रिया बताई और कहा कि कार्यक्रम का लक्ष्य कम से कम 100 महिलाओं और बालिकाओं को प्रशिक्षित कर उनके लाइसेंस बनवाना है। प्रशिक्षण की न्यूनतम अवधि 1 माह तय की गई है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

प्रशासन का लक्ष्य है कि यह योजना केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि हर तहसील और ब्लॉक स्तर तक पहुंचे। इसके लिए महिला प्रशिक्षकों को भी चिह्नित किया जा रहा है, जिससे महिलाएं अधिक सहज और सुरक्षित माहौल में प्रशिक्षण ले सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महिला कल्याण विभाग ने महिलाओं और बालिकाओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही सुरक्षा और आपात स्थिति के लिए आवश्यक हेल्पलाइन नंबर भी बताए गए। एआरटीओ प्रवर्तन रमेश चौबे ने कहा 'आज का समय महिलाओं के लिए अवसरों से भरा हुआ है। हमें उन्हें केवल प्रोत्साहन देना है और रास्ता आसान करना है।

ड्राइविंग कौशल महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि उनके अंदर आत्मविश्वास भी बढ़ाएगा। कैब सर्विस, स्कूल बस, ऑफिस ड्राइवर या निजी वाहन संचालन जैसे तमाम क्षेत्रों में महिलाएं रोजगार पा सकती हैं। हमारी कोशिश है कि हापुड़ जनपद की हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो और समाज में अपनी सशक्त पहचान बना सके। यह अभियान केवल ड्राइविंग सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है।'

एआरटीओ प्रशासन छवि सिंह चौहान ने कहा 'ड्राइविंग माय ड्रीम्स का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त करना है। हम चाहते हैं कि महिलाएं किसी भी काम के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। अब समय आ गया है कि महिलाएं स्वयं गाड़ी चलाएं, अपने सपनों को गति दें और जीवन में आगे बढ़ें। हमने लक्ष्य रखा है कि कम से कम 100 महिलाएं इस अभियान के पहले चरण में प्रशिक्षित होकर अपना लाइसेंस प्राप्त करें।

आगे चलकर इसे और विस्तार दिया जाएगा और ब्लॉक तथा तहसील स्तर तक पहुंचाया जाएगा। सरकार और प्रशासन की पूरी कोशिश है कि कोई भी महिला पीछे न छूटे। हर महिला और बालिका को बराबर का अवसर मिले और वे समाज में अपनी भूमिका मजबूती से निभा सकें।'

### प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह, आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य और पूरा स्टाफ, शाह जी मोटर ड्राइविंग स्कूल, पूजा मोटर ड्राइविंग स्कूल, वन स्टॉप सेंटर से रविता चौहान और नेहा, सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। छात्राओं और महिलाओं ने इस अवसर पर उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण को लेकर गहरी रुचि दिखाई।

## जाममुक्त दशहरा मेला कराने में टीआई छविराम की मेहनत लाई रंग, डीआईजी के आदेशों पर दिखी सख्ती

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** दशहरे का मेला और जाम, दोनों हमेशा एक-दूसरे के पर्याय समझे जाते रहे हैं। लेकिन इस बार हापुड़ पुलिस ने वह कर दिखाया जो अब तक नामुमकिन माना जाता था। टीआई छविराम राम की रणनीति और मजबूत प्लानिंग की बदौलत पूरा शहर जाममुक्त नजर आया।

लोगों ने राहत की सांस ली और पुलिस की कार्यशैली की खुलकर सराहना की। जानकारी के मुताबिक टीआई छविराम ने दशहरे मेले से कई दिन पहले ही पूरी ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विस्तृत रूट मैप तैयार कर लिया था। भारी वाहनों को गढ़रोड तातारपुर बाईपास, बुलंदशहर रोड सोना पेट्रोल पंप, दिल्ली रोड बाईपास और मेरठ रोड असौड़ा से ही डायवर्ट कर दिया गया। इस व्यवस्था के चलते न तो शहर में ट्रकों का दबाव पड़ा और न ही लोगों को मेले तक पहुंचने में किसी तरह की दिक्कत हुई।

### मेले मार्ग में केवल पैदल और बाइक से प्रवेश

टीआई ने शहर के भीड़भाड़ वाले हिस्सों–पक्काबाग, अतरपुरा, तहसील, अंबेडकर तिराहा, रामलीला द्वार, एसएसवी चौकी आदि पर बेरिकेडिंग कर दी।

## हापुड़ एसपी ने मिशन शक्ति से महिलाओं को किया जागरूक, मेले की व्यवस्थाओं का पैदल निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** दशहरे के अवसर पर जहां रामलीला मैदान में रावण दहन की तैयारियां जोरों पर थीं, वहीं दूसरी ओर हापुड़ पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह खुद मैदान में उतरकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की बागडोर संभाले दिखे। एसपी ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया।

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह के साथ महिला थाना प्रभारी अरुणा राय और उनकी टीम मौजूद रही। उन्होंने मेले में आई महिलाओं और युवतियों को पोस्टर और पम्पलेट्स के जरिए मिशन शक्ति अभियान की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में महिलाएं तुरंत पुलिस हेल्पलाइन और मिशन शक्ति से जुड़ी सेवाओं का लाभ उठा सकती हैं। एसपी ने स्पष्ट संदेश दिया कि 'महिलाओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोई भी मनचला या असामाजिक तत्व बख्शा नहीं जाएगा।' गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कई संदिग्ध व्यक्तियों और मनचलों से पूछताछ की। कुछ पर तत्काल कार्रवाई की गई और दूसरों को सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि त्योहार के नाम पर किसी भी तरह की अराजकता या हुड़दंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### मेले की व्यवस्थाओं का पैदल निरीक्षण

एसपी सिंह ने दशहरे मेले में खुद पैदल गश्त कर व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, एंट्री-पॉइंट और पार्किंग की व्यवस्था का जायजा लिया। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का निरीक्षण कर उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस बल की तैनाती और अग्निशमन इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए।

### मिशन शक्ति को मिली मजबूती

मेले में आई महिलाओं ने एसपी और महिला थाना प्रभारी के इस प्रयास की सराहना की। महिलाओं का कहना था कि पुलिस द्वारा सीधे मौके पर पहुंचकर सुरक्षा का भरोसा दिलाना और अधिकारों की जानकारी देना वाकई सराहनीय कदम है। दशहरे का मेला जहां धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक बना, वहीं हापुड़ पुलिस ने इसे महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता का मंच भी बना दिया। एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह की सख्ती और मिशन शक्ति अभियान को बढ़ावा देने की पहल ने शहरवासियों को यह संदेश दिया कि पुलिस हर समय जनता के साथ है।

## मिशन शक्तिः महिलाओं से छेड़खानी करने वाला युवक गिरफ्तार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार भले ही कई योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर पुलिस की सक्रियता ही इन अभियानों को सफल बना रही है। इसका ताजा उदाहरण शुक्रवार को थाना पिलखुवा पुलिस की एन्टी-रोमियो टीम ने पेश किया। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रामलीला मैदान से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया, जो वहां मौजूद लड़कियों और महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कस रहा था।

शुक्रवार की शाम रामलीला मैदान पर घूम रही युवतियों और महिलाओं ने एक युवक की संदिग्ध हरकतें देखीं। आरोपी बार-बार अश्लील टिप्पणियां कर उन्हें परेशान कर रहा था। इसकी सूचना तुरंत पुलिस की एन्टी-रोमियो टीम को दी गई। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान चिन्टू पुत्र बिरजू निवासी ग्राम मदापुर थाना पिलखुवा, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना पिलखुवा में मुकदमा दर्ज कर लिया है और अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 का उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

## जीएस मेडिकल कॉलेज पिलखुवा में नए एमबीबीएस छात्रों के लिए हुए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**हापुड़।** जीएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पिलखुवा में शुक्रवार को नए एमबीबीएस बैच के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को फाउंडेशन कोर्स, स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली और कॉलेज के विभिन्न विभागों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. यतीश अग्रवाल, वाइस चांसलर ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। इस अवसर पर डीन डॉ. प्रदीप गर्ग, मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. वनिता, डॉ. सरनदीप सिंह, उपनिदेशक मनोज शिशौदिया और रजिस्ट्रार सुमित सिंह भी उपस्थित रहे।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान छात्रों को शैक्षणिक वातावरण, अस्पताल की कार्यप्रणाली और संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कराया गया। छात्रों ने कॉलेज के क्लिनिकल विभागों, प्रयोगशालाओं और अस्पताल की सुविधाओं का दौरा किया। मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट डॉ. सुरेंद्र कुमार ने छात्रों को अस्पताल की सेवाओं और क्लिनिकल ट्रेनिंग की जानकारी दी। वहीं डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने छात्रों को कॉलेज में अनुशासन, सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलकूद से अवगत कराया।

इस अवसर पर छात्रों के अभिभावकों के लिए भी संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने संस्थान की संरचना और बच्चों की शैक्षणिक यात्रा को बेहतर समझने का अवसर पाया।

म्युज़ियम सत्र में अभिभावकों ने अपनी जिज्ञासाओं को साझा किया, जिसका उपनिदेशक अंकित विज ने विस्तार से उत्तर दिया। डिप्टी रजिस्ट्रार नीलम और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ संकाय सदस्य भी इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मौजूद रहे।

## वाल्मीकि जयंती पर कानून-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम, मेरठ रेंज में 2100 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मेरठ।** 07 अक्टूबर को होने जा रही महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मेरठ रेंज के चारों जिलों–मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़–में पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। इस मौके पर शोभायात्राओं, झांकियों और मंदिरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए 2103 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में 06 अपर पुलिस अधीक्षक, 22 सीओ, 83 निरीक्षक, 405 उपनिरीक्षक, 522 मुख्य आरक्षी, 685 आरक्षी, 380 होमगार्ड/पीआरडी और 03 पीएसी कंपनियां तैनात की गई हैं।

इस बार कुल 42 शोभायात्राएं प्रस्तावित हैं–मेरठ में 22, बुलंदशहर में 11, बागपत में 05 और हापुड़ में 04। 114 बाल्मीकि मंदिरों में विशेष कार्यक्रम होंगे, जिनमें मेरठ के 31, बुलंदशहर के 06, बागपत के 52 और हापुड़ के 25 मंदिर शामिल हैं। इसके अलावा 71 अन्य कार्यक्रम भी होंगे।

### डीआईजी ने दिए सख्त निर्देश

डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि किसी भी हाल में कानून-व्यवस्था बिगड़ने न पाए। उन्होंने कहा जिन स्थानों पर पहले विवाद हुए हैं, वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। थानाध्यक्ष और सीओ हर छोटी घटना को गंभीरता से लें और मौके पर पहुंचकर समाधान सुनिश्चित करें। दंगा-निरोधक उपकरणों के साथ रिजर्व पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा जाए। मूर्तियों, शोभायात्रा मार्ग और पूजा-अर्चना स्थलों पर विशेष सुरक्षा रहे। अफवाहों का तत्काल खंडन किया जाए और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाए। बिजली के तार, अतिक्रमण जैसी बाधाओं को पहले ही हटवा लिया जाए। शांति समितियों की बैठक लेकर संभ्रांत नागरिकों और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग लिया जाए।

संवेदनशील स्थानों की संख्या 38 है, जिन पर विशेष चौकसी रखी जाएगी। अब तक पुलिस ने आयोजकों, पीस कमेटियों और धर्मगुरुओं के साथ 105 गोष्ठियां कर ली हैं। वहीं अन्य विभागों–नगर निगम, स्वास्थ्य, विद्युत आदि–के साथ भी 103 बैठकें आयोजित की गई हैं ताकि किसी तरह की समस्या न रहे। अभिसूचना इकाई को भी सतर्क किया गया है और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

# आम लोगों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्पः मुख्यमंत्री

## जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री ने, संतुष्टिपरक निराकरण के दिए निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गोरखपुर।** शारदीय नवरात्र और विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में लगातार चार दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

# सीएम योगी ने चॉकलेट देकर बच्चों पर लुटाया प्यार, आत्मीयता से की बातचीत

## नाम और क्लास पूछकर बोले- खूब पढ़ना, खूब आगे बढ़ना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गोरखपुर।** गोरखनाथ मंदिर परिसर में शुक्रवार सुबह भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहुत से बच्चों से मुलाकात की। प्यार लुटाते हुए उनसे आत्मीय बातचीत कर चॉकलेट दिया। नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा और खूब आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बाल प्रेम जगजाहिर है। प्रोटोकॉल परे कर बच्चों से मिलना, उनसे ठिठोली करना, उन्हें दुलारना, खूब पढ़ने का आशीर्वाद देना और चॉकलेट देना उनकी खासियत है। बच्चों के साथ उनकी ऐसी ही आत्मीयता का दृश्य शुक्रवार सुबह भी गोरखनाथ मंदिर में देखने को मिला। गुरुवार शाम विजयदशमी शोभायात्रा की अगुवाई करने के बाद रात्रि प्रवास के बाद शुक्रवार सुबह उनकी दिनचर्या परंपरागत रही। महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। हर बार की तरह वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उनकी नजर श्रद्धालुओं के साथ उनके बच्चों पर पड़ गई। मुख्यमंत्री ने बच्चों को अपने पास बुला लिया। एक-एक करके सबसे उनका नाम पूछा, किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। कुछ बच्चों से हंसी-ठिठोली भी की। उन्होंने बच्चों से बेहद अपनेपन से बातचीत की। सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार-दुलार और आशीर्वाद दिया कि खूब मन लगाकर पढ़िए और खूब आगे बढ़िए। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को चॉकलेट भी दिया।

# सीएम युवा कॉन्क्लेव ने युवा उद्यमियों को किया प्रोत्साहित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी सीएम युवा मिशन के तहत आयोजित सीएम युवा कॉन्क्लेव उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 का सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा। पांच दिवसीय आयोजन ने न केवल युवाओं को नए-नए बिजनेस मॉडल्स से रूबरू कराया बल्कि उद्यमशीलता और स्वरोजगार की दिशा में नए अवसर भी खोले। इस पांच दिवसीय आयोजन के दौरान कुल 12,025 बिजनेस इंक्वायरी, 9,200 पंजीकरण, 377 बिजनेस-टू-बिजनेस (इ2इ) मीटिंग्स और 90 बिजनेस प्रजेंटेशंस दर्ज किए गए। उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना सीएम युवा तेजी से युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इस कॉन्क्लेव और एक्सपो ने साबित कर दिया कि प्रदेश के युवा स्टार्टअप, उद्यमशीलता, स्वरोजगार और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस आयोजन के बाद बड़ी संख्या में युवा इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन करेंगे।

### युवाओं के लिए प्रेरणा का मंच बना कॉन्क्लेव

सीएम युवा के नोडल और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला ने बताया कि 5 दिन के कॉन्क्लेव में कई प्रसिद्ध फ्रेंचाइज ब्रांड्स, मशीनरी सप्लायर्स और बिजनेस-ऑन-व्हील्स वेंचर्स ने भाग लिया। इनमें डॉक्टर मोरिंगा, एमबीए मखानेवाला, हनीमैन, चीजी क्रेजी कैफे और ओसियन एंटरप्राइज जैसे ब्रांड्स ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। इन प्रस्तुतियों ने युवाओं को नवाचार और टिकाऊ बिजनेस मॉडल की दिशा में प्रेरित किया।

### टॉप-5 ब्रांड्स रहे आकर्षण का केंद्र

सबसे अधिक व्यवसायिक पूछताछ प्राप्त करने वाले ब्रांड्स में ओसियन एंटरप्राइजेज (700+), यूपीसीएस स्टोर (650+), एमबीए मक्खनवाला (550+), प्रॉस्पर ग्रुप (500+) और आईक्यूटीएम (450+) शामिल रहे।

### अवार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित

सीएम युवा मिशन को यूपीआईटीएस 2025 की सफलता में उत्कृष्ट योगदान के लिए ह्लअवार्ड ऑफ ऑनरह्व प्रदान किया गया। यह सम्मान भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री (औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन) नंद गोपाल नंदी, मंत्री (एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र) राकेश सचान, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन आलोक कुमार और मिशन डायरेक्टर-सीएम युवा के. विजयेन्द्र पांडियन की मौजूदगी में प्रदान किया।

# गोरक्षपीठाधीश्वर ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

## श्रीनाथ जी सहित मंदिर परिसर के सभी देव विग्रहों की सीएम योगी ने की पूजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गोरखपुर।** गोरखनाथ मंदिर में विजयदशमी पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ जी का विशिष्ट पूजन-अनुष्ठान किया। गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष परिधान में सीएम योगी ने पीठ की परंपरा का अनुसरण करते हुए गुरुवार प्रातःकाल विधि विधानपूर्वक श्रीनाथ जी की पूजा-आराधना कर लोकमंगल की प्रार्थना की। विजयदशमी के विशिष्ट पूजन की शुरूआत गोरखनाथ मंदिर में शक्तिपीठ से हुई जहां शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से जगतजननी आदिशक्ति की आराधना के अनुष्ठान चल रहे थे।

शक्तिपीठ में वेदी पूजनोपरांत तथा लोक कल्याण की प्रार्थना करने के बाद सीएम योगी मंदिर के अन्य साधु-संतों के साथ, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यगण व वेदपाठी छात्रों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीनाथ जी के मुख्य मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे। यहां विधि विधानपूर्वक महायोगी गोरखनाथ की पूजा की, आरती उतारी।

इसके साथ ही उन्होंने मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का विशिष्ट पूजन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करबद्ध होकर श्रीनाथ जी और सभी देव विग्रहों की परिक्रमा भी की। गोरक्षपीठाधीश्वर ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ सहित अन्य संतों की समाधि स्थल पर भी शीश नवाया और पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान नाथपंथ के परंपरागत विशेष वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्ति तरंगों से झंकृत हो रहा था।

विजयदशमी के विशिष्ट पूजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के सुखमय, शांतिमय और समृद्धिमय जीवन की कामना की।

# बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकारः मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**गोरखपुर।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के आवासीय भवन के प्रथम तल पर देश के दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पार्चन करने के बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और राष्ट्रहित में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूरी दुनिया को कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा। विदेशी हुकूमत की जड़ों को उखाड़ फेंकने के लिए सत्य व अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने के साथ स्वदेशी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलंबन बनी। बापू के सपनों को साकार करने को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है।

# अयोध्या की रामलीला ने रचा नया इतिहास, 62 करोड़ तक पहुंची दर्शकों की संख्या

## योगी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मंच पर पहुँची मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की लीला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**अयोध्या।** मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या ने एक बार फिर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन में अयोध्या की रामलीला आज विश्व की सबसे बड़ी और भव्य रामलीला बन चुकी है। डिजिटल क्रांति के दौर में यह आयोजन केवल भारत तक सीमित न रहकर विश्वव्यापी सांस्कृतिक उत्सव में बदल गया है। इस वर्ष 50 से अधिक देशों में ऑनलाइन माध्यमों से प्रसारित हुई इस रामलीला को कुल 62 करोड़ से अधिक रामभक्तों ने देखा। दिल्ली और मुंबई से आए 250 से अधिक फिल्मी कलाकारों ने इस रामलीला को भव्य स्वरूप दिया। थ्री-डी तकनीक और आधुनिक मंच सज्जा ने इस धार्मिक आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। न केवल मंच पर बल्कि पर्दे पर भी यह आयोजन एक नया इतिहास रच रहा है। रामलीला को अधिक से अधिक रामभक्तों तक पहुँचाने के लिए लाइव प्रसारण पर ही इस वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया गया। यह प्रसारण आराधना टाटा प्ले, शेमारू मी, श्कऐप, एयरटेल, शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेजों और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हुआ। अकेले शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल पर 8 करोड़ से अधिक लोगों ने इसे देखा।

**विभिन्न प्लेटफॉर्म पर दर्शक संख्या (लाइव)**

- आराधना टाटा प्ले- 2 करोड़
- शेमारू मी- 4 करोड़
- VI ऐप- 5 करोड़
- शेमारू भक्ति (यूट्यूब)- 8 करोड़
- शेमारू भक्ति धाम (यूट्यूब)- 7 करोड़
- फेसबुक पेज- 5 करोड़
- अन्य यूट्यूब प्लेटफॉर्म- 5 करोड़
- शेमारू आराधना टीवी- 7 करोड़
- टाटा प्ले- 7 करोड़
- Videocon- 5 करोड़
- एयरटेल- 3 करोड़
- डिश टीवी- 4 करोड़
- लगातार बढ़ती लोकप्रियता

# प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

## वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के 6 माह में ढाई लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के 6 माह में अब तक प्रदेश भर में ढाई लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 50 हजार लोन वितरित का लक्ष्य रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। वहीं योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर कौशांबी है।

### 6 माह में ढाई लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है बल्कि उन्हे एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष 6 माह में पूरे प्रदेश से 2,55,174 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 2,08,097 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 64,673 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 63,009 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर जिले ने सबसे अधिक आवेदकों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत 2,250 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष पिछले 6 माह में 5,999 आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 4,784 आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से 2,003 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में पिछले 6 माह में जौनपुर ने सबसे अधिक युवाओं को लोन वितरित कर पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह आजमगढ़ ने पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आजमगढ़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,250 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष 6 माह में 5,112 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 4,285 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 1,859 को लोन वितरित किया जा चुका है।

### कौशांबी, अंबेडकरनगर, झांसी, सिद्धार्थनगर और हरदोई का भी रहा शानदार प्रदर्शन

कौशांबी जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला कर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक युवाओं को योजना का लाभ देने के लिए हर माह बैंकों से साथ बैठक की जा रही है ताकि योजना से संबंधी को कोई समस्या आने पर उसे तत्काल दुरूस्त किया जा सके। यही वजह है कि पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में कौशांबी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कौशांबी को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1,700 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष 6 माह में 6,984 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 4,988 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 1,299 आवेदकों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 1,185 को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा अंबेडकरनगर ने चौथा और झांसी ने प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही योजना का लाभ देने में सिद्धार्थनगर, हरदोई और रायबरेली का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

सेहत/स्वास्थ्य

# सावधान ! हफ्ते में 2 बार इंस्टेंट नूडल्स खाना जानलेवा, हार्ट अटैक व स्ट्रोक का बढ़ता है खतरा

*शाम की क्रेविंग के दौरान ज्यादातर लोग इंस्टेंट नूडल्स ही खाते हैं। स्वाद में यह काफी टेस्टी लगती है। इस कदर लोग दीवाने हो रखें कि रोजाना इसका सेवन भी करने लगे हैं। इंस्टेंट नूडल्स अत्यधिक खाने से सिर्फ मोटापा नहीं बढ़ाता, बल्कि इनका ज्यादा या लंबे वक्त तक सेवन कई बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है।*

आजकल भागदौड़ भरी लाइफ में लोगों ने इंस्टेंट नूडल्स को पसंदीदा मील बना लिया है। झटपट से बन जाता है और खाने में भी टेस्टी है। घर की बोरिंग सब्जी किसे पसंद आती है, सब्जी पसंद नहीं आई तो इंस्टेंट नूडल्स को बना लिया। इनमें सबसे ज्यादा मैदा पाई जाती है जो सेहत के लिए हानिकारक भी है। इसके अत्यधिक सेवन करने से मोटापा बढ़ता है। इंस्टेंट नूडल्स खाने से सिर्फ वजन बढ़ता है और इसका कोई और नुकसान नहीं है, तो आप यह गलत सोच रहे हैं। लगातार इंस्टेंट नूडल्स खाने से शरीर को काफी नुकसान पहुंचता है। यदि आप हफ्ते में 2-3 बार इंस्टेंट नूडल्स खाते हैं, तो यह वाकई हानिकारक है। आइए आपको बताते हैं इसके सेवन से क्या नुकसान हो सकता है।

## अत्यधिक इंस्टेंट नूडल्स खाने से शरीर में क्या होता है

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, यदि आप हफ्ते में 2-3 बार इंस्टेंट नूडल्स खाते हैं, तो इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। इन नूडल्स में अत्यधिक सोडियम होता है, जो बीपी बढ़ सकता है।

इनमें रिफाइंड कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इससे शुगर स्पाइक होता है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

इसमें पाए जाने वाले एमएसजी और कई प्रकार के एडेक्टिव्स गट और ब्रेन हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, इसमें प्रोटीन और फाइबर नहीं होता, जिससे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और फिर क्रेविंग्स बढ़ जाती है।

इसके सेवन से बीपी और कोलेस्ट्रोल बढ़ सकता है और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यह शरीर को कमजोर भी कर देता है।

काफी समय से इंस्टेंट नूडल्स खाने से स्ट्रोक, डायबिटीज और अन्य कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

इसके अलावा, पैकेजिंग में बीपीए होता है, जो खतरनाक केमिकल है। इससे बॉडी का नेचुरल बैलेंस बिगड़ जाता है। इतना ही नहीं, यह हार्मोन से जुड़ी दिक्कते पैदा कर सकता है और फर्टिलिटी में परेशानी हो सकती है।

# अचानक हार्ट अटैक आए तो घबराएं नहीं, एक्सपर्ट ने बताया तुरंत जान बचाने का ये आसान तरीका

*हार्ट अटैक जैसी खतरनाक स्थिति को देखकर लोग घबरा जाते हैं और सही समय पर सही कदम नहीं उठा पाते हैं, जिस कारण जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अचानक हार्ट अटैक आने पर क्या करना चाहिए।*

आजकल हार्ट अटैक की समस्या सिर्फ अधिक उम्र वाले लोगों तक ही सीमित नहीं है। स्ट्रेस, गलत लाइफस्टाइल और खराब खानपान के कारण कम उम्र के लोग भी इस स्थिति का शिकार हो रहे हैं।

अक्सर लोगों के मन में सवाल होता है कि अगर किसी को अचानक से हार्ट अटैक आ जाए, तो क्या करना चाहिए। कई बार इस खतरनाक स्थिति को देखकर लोग घबरा जाते हैं और सही समय पर सही कदम नहीं उठा पाते हैं, जिस कारण जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अचानक हार्ट अटैक आने पर क्या करना चाहिए।

## अचानक हार्ट अटैक आने पर करें ये काम

आजकल लोगों में मन में हार्ट अटैक आने का डर रहता है। अगर आपको भी यह डर सताता है, तो एक्सपर्ट के मुताबिक आपको क्या करना चाहिए। एक्सपर्ट की मानें, तो यदि किसी को अचानक से हार्ट अटैक आता है या फिर आने वाला है, तो अपने पास अदरक का टुकड़ा हमेशा रखना चाहिए। जब भी किसी को हार्ट अटैक आए, तो मरीज के दोनों पैरों को जोड़कर हार्ट के पास कर दें। जैसे ही आप इस तरह से बैठेंगे, तो मरीज का जान जाने का जोखिम काफी हद तक कम हो जाएगा।

एक्सपर्ट ने बताया कि इस स्थिति में मरीज को जमीन पर बिठाना चाहिए। साथ ही मरीज को अदरक का टुकड़ा देकर उसे चबाने के लिए कहें। अदरक के टुकड़े को तब तक चबाना है, जब तक कि आंखों में आंसू न आ जाएं। ऐसा करने से नाइट्रिक आक्साइड का प्रोडक्शन बढ़ जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि यह आयुर्वेद के टेक्स्ट बुक्स और रिसर्च पेपर में भी लिखा है कि अदरक हार्ट अटैक से बचा सकती है।

## अदरक के फायदे

बता दें कि आयुर्वेद में अदरक को एक शक्तिशाली औषधि माना गया है। अदरक में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और कार्डियोप्रोटेक्टिव गुण पाया जाता है, जोकि पाचन को सुधारने के साथ ही दिल की सेहत के लिए भी लाभकारी होता है। अदरक का सेवन ब्लड सकुर्लेशन को भी बेहतर करना है और ब्लड क्लॉट्स बनने से रोकता है।

जिस वजह से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। यही कारण है कि अचानक से यदि हार्ट अटैक की स्थित बनती है, तो अदरक का सेवन जान बचाने में कारगर साबित हो सकता है।

पर्यटन

# क्या भारतीयों को इंटरनेशनल ट्रिप्स के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस जरूरी है ?

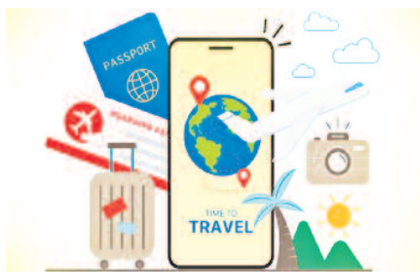


घूमना फिरना सभी को अच्छा लगता है। ट्रिप की तैयारी करते समय हम होटल बुकिंग, खानपान, मोबाइल, एक्स्ट्रा पैसे, इन सब चीजों पर ध्यान देते हैं। लेकिन एक बात अक्सर छूट जाती है, ट्रैवल इंश्योरेंस। सफर के दौरान हादसे होना, अचानक बीमार पड़ना, सामान खो जाना, ये सब बहुत आम बातें हैं। फिर भी ज्यादातर लोग सोचते हैं- 'हमारे साथ कुछ नहीं होगा, हम बहुत सावधान रहते हैं।' कई और गलतफहमियाँ भी लोगों के मन में होती हैं जैसे-

- 'पहले से ही हेल्थ इंश्योरेंस है, तो ट्रैवल इंश्योरेंस की जरूरत ही क्या है?'
- 'ये तो बस छोटी सी ट्रिप है, हफ़्ते भर में लौट आएंगे। ट्रैवल इंश्योरेंस तो बड़ी यात्राओं के लिए होता है।'
- लेकिन क्या ये सब सच है? इन्हीं बातों को हम अब समझने की कोशिश करेंगे।

## इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस क्या है?

इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस आपको विदेश यात्रा के दौरान आने वाली फाइनेंशियल परेशानियों से बचाता है। चाहे आप छुट्टियों के लिए विदेश जा रहे हों, पढ़ाई, नौकरी या ऑफिस की ट्रिप, ऐसी हर स्थिति में ये ट्रैवल इंश्योरेंस लिया जा सकता है। इसका कवरेज आपके पूरे सफर के लिए लागू होता है। आप सिर्फ.एक देश जा रहे हो या कई देशों की यात्रा कर रहे हो, दोनों ही परिस्थितियों में ये उतना ही फायदेमंद होता है।

## आमतौर पर इस इंश्योरेंस में ये चीजें कवर होती हैं-

- बीमारी या हादसे की वजह से हॉस्पिटलाइजेशन
- पासपोर्ट खो जाना या चोरी होना
- ट्रिप रद्द होना या दोबारा शेड्यूल होना
- ट्रिप को आगे बढ़ाना
- सामान गुम होना या देर से पहुँचना
- फ्लाइट लेट या रद्द होना

## इसके अलावा, कई पॉलिसियों में 24X7 इमरजेंसी सर्विसेज भी दी जाती हैं, जैसे-

- खोए हुए पासपोर्ट की तुरंत मदद
- कैश वायर असिस्टेंस
- रद्द हुई फ्लाइट का टिकट फिर से बुक करना

## भारतीयों के लिए किन देशों में ट्रैवल इंश्योरेंस जरूरी है?

भारत से विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए कुछ देशों ने ट्रैवल इंश्योरेंस लेना अनिवार्य किया है। नीचे ऐसे देशों की लिस्ट दी गई है:

1. अंटार्कटिका
2. अल्जीरिया
3. इक्वाडोर
4. ईरान
5. कतर
6. क्यूबा
7. जॉर्जिया
8. जॉर्डन
9. तुर्की
10. न्यूजीलैंड
11. मोल्डोवा
12. यूक्रेन
13. संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)
14. रवांडा
15. रूस
16. सऊदी अरब
17. शेंगेन देश (यूरोप के 29 देशों का समूह)

## ट्रैवल इंश्योरेंस जहां जरूरी नहीं वहाँ भी क्यों लें?

कई देशों ने वीजा के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस को जरूरी डॉक्यूमेंट बताया है। बिना इंश्योरेंस का सबूत दिए वीजा मुश्किल है। कई लोगों को लगता है कि ट्रैवल इंश्योरेंस मतलब बेकार का खर्च, या फिर ये सिर्फ.अमीर लोगों और महँगा सामान ले जाने वालों के लिए है। लेकिन असलियत ये है कि ट्रैवल इंश्योरेंस हर यात्री के लिए जरूरी है क्योंकि-

## 1. यात्री के लिए आर्थिक सुरक्षा

सफर में किसी के साथ अचानक हादसा, बीमारी या कोई और परेशानी हो सकती है। विदेश के हॉस्पिटल में इलाज या जरूरी सेवाएँ बहुत महँगी होती हैं। लेकिन अगर आपके पास इंश्योरेंस हो, तो जरूरी मेडिकल ट्रीटमेंट और बाकी खर्च आसानी से किए जा सकते हैं। इससे बड़ा फाइनेंशियल बोझ नहीं पड़ता। इसके साथ ही, इसमें सामान खो जाने, ट्रिप कैन्सल होने, फ्लाइट लेट होने जैसी परिस्थितियाँ भी शामिल होती हैं।

## 2. मेजबान देश पर आर्थिक बोझ कम करना

अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे देश में बीमार पड़ता है, तो ज्यादातर वह उस देश के सरकारी हॉस्पिटल में इलाज कराता है। ऐसे में खर्च वहाँ की सरकार को भरना पड़ता है। एक तरह से ये खर्च टैक्स भरने वालों का पैसा होता है। इससे देश का नुकसान होता है। इस बोझ को रोकने के लिए कई देशों ने ट्रैवल इंश्योरेंस अनिवार्य किया है।

## 3. पब्लिक हेल्थ और सैफ्टी

कोविड के समय हमने देखा कि बीमारियाँ कितनी जल्दी फैल सकती हैं। ऐसे में अगर टुरिस्ट को तुरंत मेडिकल केयर न मिले, तो इसका असर दूसरों पर भी पड़ सकता है। इंश्योरेंस से टुरिस्ट को समय पर इलाज मिलता है और बाकी लोग भी सुरक्षित रहते हैं।

## 4. ट्रिप का मजा खराब न हो

सफर में अचानक बीमार पड़ना, फ्लाइट लेट होना, सामान चोरी होना, ऐसी परेशानियाँ पूरी ट्रिप बिगाड़ देती हैं। लेकिन अगर आपके पास सही ट्रैवल इंश्योरेंस है, तो आपको तुरंत मदद मिलती है और आप बिना चिंता अपनी ट्रिप का मजा ले सकते हैं।

## ट्रैवल इंश्योरेंस खरीदने से पहले ध्यान रखने वाली बातें

अगर आप ट्रैवल इंश्योरेंस से ज्यादा से ज्यादा फायदा लेना चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान रखें-

1. डेस्टिनेशन- आप किस देश जा रहे हैं उस हिसाब से इंश्योरेंस का कवरेज तय होता है। कुछ देशों के लिए खास पैकेज बने होते हैं जैसे शेंगेन ट्रैवल इंश्योरेंस, ज्यादा फायदेमंद होते हैं।

**2. उम्र और स्वास्थ्य-** कम उम्र और अच्छे स्वास्थ्य वाले लोगों को कम प्रीमियम में ज्यादा कवरेज मिल जाता है। अगर मेडिकल हिस्ट्री है, तो प्रीमियम थोड़ा ज्यादा हो सकता है।

3. ट्रिप ड्युरेशन- ट्रिप जितनी लंबी होगी, प्रीमियम उतना ही ज्यादा देना होगा।

**4. ट्रिप की गिनती-** अगर आप साल में सिर्फ.एक-दो बार सफर करते हैं, तो सिंगल ट्रिप पॉलिसी काफी है। लेकिन अगर आप बार-बार सफर करते हैं, तो मल्टी-एनुअल ट्रिप पॉलिसी ज्यादा फायदेमंद होती है।

**5. एडवेंचर एक्टिविटीज-** ट्रेकिंग, स्कूबा डाइविंग, स्कीइंग जैसी एक्टिविटीज में रिस्क ज्यादा होता है। इसलिए ऐसी पॉलिसी चुनें जिसमें एडवेंचर स्पोर्ट्स कवर शामिल हो, ताकि आपको एक्स्ट्रा कवर मिले।

**निष्कर्ष**

शारीरिक सुरक्षा की तरह आर्थिक सुरक्षा जरूरी है। फॉरेन ट्रैवल में हमें कई अनजान जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, जो खतरे पहले से पता हैं, उनके लिए तैयार रहना बड़ा नुकसान टालने में मदद करता है। ट्रैवल इंश्योरेंस के लिए दिया गया छोटा प्रीमियम कई हजारों या लाखों रुपये के खर्च से बचा सकता है। इसलिए यात्रा जरूर करें, लेकिन सुरक्षा के साथ!

घरेलू नुस्ख

# लाटे, कैपुचिनो से अमेरिकनो तक, आपकी फेवरेट कॉफी कौन सी? फटाफट पहचानें

*अंतर्राष्ट्रीय कॉफी दिवस 2025 के अवसर पर, यह लेख लाटे, कैपुचिनो और अमेरिकनो जैसे लोकप्रिय कॉफी ड्रिंक्स के बीच के सूक्ष्म अंतर को स्पष्ट करता है। यह बताता है कि एस्प्रेसो, गरम दूध और झाग के अनुपात के आधार पर ये पेय कैसे एक-दूसरे से भिन्न होते हैं, जिससे कॉफी प्रेमी अपनी पसंदीदा कॉफी ड्रिंक का चुनाव आसानी से कर सकें।*

**कॉफी** सिर्फ एक काली ड्रिंक नहीं है, बल्कि यह स्वाद और बनाने के तरीकों का एक पूरा संसार है! दुनिया भर में कॉफी को अलग-अलग अंदाज में पिया जाता है, लेकिन अक्सर लोग लाटे, कैपुचिनो और अमेरिकनो जैसी मशहूर ड्रिंक्स के बीच के अंतर को लेकर असमंजस में रहते हैं। परेशान न हों! हम आपकी मदद के लिए 9 सबसे मशहूर कॉफी ड्रिंक्स की आसान सूची लेकर आए हैं, जिससे आप आसानी से इनकी पहचान कर सकेंगे और अपनी पसंद की कॉफी चुन पाएंगे।

## आपकी पसंदीदा कॉफी कौन सी है?

**एस्प्रेसो:** यह कॉफी का सबसे गाढ़ा और छोटा शॉट होता है। इसमें दूध का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होता। यह बाकी सभी ड्रिंक्स का आधार है।

**अमेरिकनो:** यह उन लोगों के लिए बेहतरीन है जिन्हें मजबूत कॉफी पसंद है।

इसमें एक या दो एस्प्रेसो शॉट्स को गर्म पानी के साथ मिलाकर पतला किया जाता है।

**लाटे:** यह सबसे ज्यादा दूध वाली कॉफी है। इसमें एक या दो एस्प्रेसो शॉट और बहुत सारा गरम दूध होता है, जिसके ऊपर दूध का हल्का झाग भी डाला जाता है। यह पीने में बहुत हल्की और दूधिया होती है।

**कैपुचिनो:** यह एक संतुलित कॉफी है। इसमें एस्प्रेसो, गरम दूध और झाग, तीनों की मात्रा लगभग बराबर होती है। लाटे की तुलना में इसमें झाग ज्यादा होता है।

**मोका:** यह उन लोगों के लिए है जिन्हें कॉफी में चॉकलेट का स्वाद पसंद है। इसमें एस्प्रेसो, गरम दूध और चॉकलेट सिरप मिलाया जाता है, और अक्सर ऊपर से क्रीम भी डाली जाती है।

**मैकियाटो:** यह एस्प्रेसो का शॉट होता है जिस पर सिर्फ थोड़ी सी झाग वाला गरम दूध डाला जाता है। यह दूध की मिठास के साथ एक बहुत मजबूत कॉफी होती है।

# मांग पूरी नहीं हुई तो होगाआमरण अनशन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर ।** महामाया मंदिर सीकरी खुर्द के प्रांगण में ग्रामवासियों ने कुछ मांगों को लेकर कार्मिक अनशन शुरू कर दिया है। कार्मिक अनशन की अध्यक्षता धर्मपाल प्रधान ने की वह संचालन राज वर्मा ने किया। कार्मिक अनशन पर विनोद कुमार अशोक गिरी राजवीर सिंह दिनेश गुर्जर व इंद्राज सिंह बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ बबली गुर्जर ने बताया कि आज से 450 वर्ष पूर्व मंदिर का निर्माण सभी ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों ने मिलकर कराया था तभी से चैत्र महा के नवरात्रों में बहुत बड़ा मेला लगता चला आ रहा है जिसमें कई प्रदेशों से लाखों श्रद्धालु माँ के दर्शन करने को आते हैं उसी समय से लगातार ग्राम पंचायत मंदिर के निर्माण वे सौंदर्यीकरण का विस्तार करती चली आ रही थी कुछ वर्षों पहले एक कमेटी बनाई गई जिसके अध्यक्ष उपजिलाधिकारी मोदीनगर होते हैं। भवन के चढ़ावे का पैसा कमेटी के अकाउंट में जमा रहता है जो लगभग आज की तारीख में बीस करोड़ रुपया जमा है कई वर्षों से क्षेत्रवासी मांग करते चले आ रहे हैं कि इस पैसे से भवन के लिए जमीन खरीदी जाए भवन का सौन्दर्यकरण कराया जाये धर्मशालाएं बनाई जाए और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो उसकी व्यवस्था की जाए जिसको लेकर अनेकों बार तहसील में तत्कालीन उपजिलाधिकारियों को ज्ञापन दिए गए हैं लेकिन कोई कार्रवाई प्रशासन की तरफ से नहीं की गई शीखरी खुर्द निवासी विकल परधान ने बताया कि जब से गांव नगर पालिका में आया है तब से मंदिर के चढ़ावे पर जो पैसा आता है।

कमेटी के किसी भी सदस्य को ये पता नहीं है कि कितना पैसा आया और कहां गया उसको लेकर कोई पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है सभी ग्रामवासियों की मांग है कि मंदिर के नाम से एक ट्रस्ट बनाया जाए। जिसमें तहसील व नगरपालिका के अधिकारी एवं गांव के संभ्रांत व्यक्तियों को सदस्य बनाया जाए और लगभग बीस करोड़ जो जमा है उस पैसे से भवन के नाम जमीन खरीदी जाए एवं धर्मशालाएं बनाई जाए एवं मन्दिर को सरकार द्वारा जल्द से जल्द पर्यटक स्थल घोषित किया जाये । ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द हमारी।

राहुल प्रधान ने कहा कि प्रशासन की तरफ से हर बार बहका दिया जाता है। इस बार संघर्ष आर पार का होगा । इस मौके पर मुख्य रूप से धर्मपाल प्रधान बुधराम जगदीश सिंह ओमिंद्र गुर्जर चाहत राम।

जयप्रकाश शर्मा कमल प्रधान, राज वर्मा कपिल गुर्जर अनुज कुमार विपिन ठेकेदार नरेंद्र भगत जी सोनू सिंह यशपाल सिंह सुंदर गुर्जर मोनू प्रधान अमित ठेकेदार राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

# शहर कांग्रेस कमेटी ने मनाई गाधी जयंती

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर के तत्वावधान में शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन की अध्यक्षता में सत्य और जयंती शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर मनाई गई । इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने अपने संबोधन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष चांद वीर चौधरी ,भिखारी लाल कश्यप ,विशाल कौशिक ,पवन कोरी ,जहूर खान, अवनी शर्मा, कपिल कुमार, देव जाटव, अर्पित ,सुशील पासी ,अरविंद कुमार ,सत्येंद्र कुमार ,सतपाल एवं हरिओम आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

# स्वच्छता पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर ।** गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में स्वच्छता पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रथम स्थानः किन्जल तोमर द्वितीय स्थानः पलक तृतीय स्थानः निशा सैफी कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस की सभी इकाइयों के सहयोग से किया गया। प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज और हर नागरिक की जिम्मेदारी है। साथ ही, 15 सितम्बर 2025 को आयोजित अंतर-विभागीय डिस्प्ले बोर्ड सजावट प्रतियोगिता भी प्रो. पूनम शर्मा के मार्गदर्शन और मिस अवनी के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं के परिणाम 29 सितम्बर 2025 को घोषित किए गए।

# अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी की 5149 वीं जयंती मनाई गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर ।** वैश्य समाज कल्याण समिति मोदीनगर रजि. द्वारा अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी की 5149वी जयंती के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल विधायक ऋषिकेश उत्तराखंड, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तराखंड सरकार आनंद अग्रवाल, आईपीएस प्रमोद कुमार मित्तल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्षता कौशल किशोर वार्ष्णेय, एफसीए सुशील कुमार जैन, पूर्व मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, दिनेश सिंघल, पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मूलचंद गर्ग और मंच संचालक अध्यक्ष मुन्नू

अग्रवाल और संयोजक अजय गुप्ता ने की। इस अवसर पर महासचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता, एडवोकेट आशीष कुमार बिश्नोई, एडवोकेट राजकुमार गुप्ता, प्रवीण मित्तल सभासद, ललित मित्तल, एडवोकेट जयप्रकाश बंसल अशोक गर्ग, अरविंद गर्ग, संजय गुप्ता, मंडी पूर्व प्रधानाचार्य बीवी बंसल, आतिश गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉक्टर प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज की देश के सभी कार्यों में भागीदारी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने सभी को दशहरा दीपावली छठ पूजा और गंगा स्नान की शुभकामना दी। शहर की विधायक डॉ मंजू शिवाजी ने कहा कि वैश्य समाज कल्याण समिति मोदीनगर द्वारा हर वर्ष जयंती बड़े उल्लास से मनाई जाती है यह जयंती पर्व पिछले 30 वर्षों से मनाई जा रही है। वैश्य कल्याण समिति मोदीनगर रजि. ने पार्क के बाहर एक भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया।

# रालोद का सदस्यता अभियान जारी बड़ी संख्या मे लोग हो रहे शामिल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर ।** ग्राम फैजाबाद पचगाव में गौरव चौधरी के निवास पर संचालन संजय सिंह ने किया सोनू व पाली व ऋषि पाल व फेरूँ सिंह वअनिल व प्रेम व ओमबीर सिंह व हरेंद्र सिंह व जोहरा मे प्रधान जोनी के निवास पर संचालन अर्पित ने किया व बबलू व मोहित व रवि रहे साथ रहे सचिन चौधरी व आरूषि सिरोही व विपिन कुमार।

# सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आईफा में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर।** को भाजपा जिला गाजियाबाद द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स मोदीनगर में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस चित्रकला प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि चौधरी चैन पाल सिंह (जिला अध्यक्ष) एवं मोदीनगर विधायका डॉ. मंजू शिवाच ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

प्रतियोगिता के दौरान भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ताओं की बैठक में भारत के लक्ष्य को सशक्त बनाने एवं जन - जन तक अभियान की भावना पहुंचने के लिए अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार साझा किए गए। इस मौके पर भाजपा सैकड़ो कार्यकर्ताओं में स्वदेशी सामान प्रयोग करने एवं खरीदने का शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कर शपथ ली । कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र चित्तौड़ा (जिला संयोजक) ने किया। इस मौके पर सुचिता सिंह( भोजपुर ब्लॉक प्रमुख), प्रदीप बॉस( कार्यक्रम संयोजक), मयंक शर्मा (कार्यक्रम सहसंयोजक), अमित चौधरी( जिला उपाध्यक्ष), आकाश शर्मा( भाजपा नगर अध्यक्ष), देवेंद्र चौधरी (जिला उपाध्यक्ष) अनिल आर्य( वरिष्ठ भाजपा नेता), सत्येंद्र त्यागी (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) देवेंद्र चौधरी (महामंत्री ) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं सभी भाजपा नेताओं इस कार्यक्रम का आयोजन के लिए संस्थान की मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी भौतेंद्र कुमार , अमित कुमार बंसल . डॉ रूचि विद्यार्थी, प्रीति शर्मा. दीपांशु,प्रशांत, शीतल, स्वीटी, अंजली, पलक आदि का सहयोग रहा ।

# गांधी जी का विश्वास था कि सत्य और अहिंसा से ही जीवन और समाज ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है: एस सी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

**मोदीनगर ।** डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में प्रधानाचार्य डा सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 156 वीं जयंती और भारत के पूर्व राष्ट्रपति लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती का समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया ।

प्रातः एनसीसी कैडेट्स स्काउट और अन्य छात्रों ने प्रभात फेरी निकाली जो विद्यालय से प्रारंभ होकर बस अड्डा गुरुद्वारा रोड आदर्श नगर से होते हुए विद्यालय पर समाप्त हुई। रैली को सफल बनाने में एनसीसी अधिकारी राजीव जांगिड़, खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह, अनिल यादव, डॉ एके जैन डॉक्टर योगेंद्र कुमार, धर्मवीर सिंह, वीरेंद्र कुमार का सहयोग प्रशंसनीय रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा एनसीसी परेड का निरीक्षण करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एनसीसी के कैडेट्स, स्काउट ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया मंच का संचालन शरद वाजपेई ने किया ।प्रधानाचार्य जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि गांधी जी ने सत्य व अहिंसा का मार्ग अपनाते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। दक्षिण अफ्रीका में उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ लेकिन वे विचलित नहीं हुए वह जानते थे कि उनके अंदर की आध्यात्मिक ताकत और दृढ़ विश्वास ही उस सत्ता के पहाड़ को हटा सकता है जिसका सूर्य कभी अस्त नहीं होता था। गांधी जी के बारे में अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियां शायद ही इस बात पर विश्वास करेंगी कि ऐसा कोई व्यक्ति कभी इस धरती पर आया था।

विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह और डॉक्टर संजय कुमार जी ने भी अपने विचारों से गांधी जी के जीवन दर्शन को समझाया ।कक्षा 12 के छात्र अक्षित शर्मा ने भी गांधी जी के ऊपर अपने विचार व्यक्त किये। अंत में प्रधानाचार्य जी ने सभी को इस राष्ट्रीय पर्व और विजयदशमी के पर्व पर शुभकामनाएं दी और सभी के स्वस्थ और उन्नत जीवन की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। अंत में सभी छात्रों शिक्षक व शिक्षिकाओं को मिष्ठान वितरित किया गया।

## उत्थान फाउंडेशन की बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत पर्सनैलिटी डेवलपमेंट सत्र आयोजित

**मोदीनगर ।** उत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत निःशुल्क अंग्रेजी बोलने की कक्षाओं में एक विशेष पर्सनैलिटी डेवलपमेंट सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र प्रसिद्ध मोटिवेशनल ट्रेनर हरनीत सिंह हैप्पी ने लिया।

यह कार्यक्रम देवेन्द्र पुरी स्थित बड़ा मंदिर परिसर में हुआ, जहाँ हर रविवार को डॉल्फि न पब्लिक स्कूल की उप-प्राचार्या रिंकी कंसल विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलचाल की शिक्षा देती हैं। इस अवसर पर लगभग 25 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र में हरनीत सिंह ने विद्यार्थियों को माइंडसेट, टीमवर्क और कॉन्सन्ट्रेशन जैसे जीवन-निर्माणकारी विषयों पर मार्गदर्शन दिया। समझ को और गहराई से बैठाने के लिए उन्होंने विभिन्न खेलों और गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने की प्रेरणा दी। इन खेलों ने छात्रों को यह समझाया कि टीमवर्क में सहयोग, सकारात्मक दृष्टिकोण और ध्यान केंद्रित करने से व्यक्तिगत और सामूहिक लक्ष्य दोनों ही आसानी से पूरे किए जा सकते हैं। इस अवसर पर हरनीत सिंह का स्वागत सीए राहुल जैन, अध्यक्ष झ उत्थान फाउंडेशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ज्योति रानी और परविंदर कौर भी उपस्थित रहीं और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।